संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 343
पृष्ठ 8
शनिवार
06 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मेहमानों को खिलाएं कुछ नया...   विचार- हरित क्रांति के जरिये खाद्य सुरक्षा...   खेल- भारतीय जर्सी को स्पॉन्सर करना अब...

राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित हुए 81 टीचर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया पुरस्कृत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम लोकभवन में शाम 4.00 बजे से शुरू हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिषदीय विद्यालयों के 66 व माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व मॉनिटरिंग के लिए टैबलेट, विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना के लिए प्रधानाचार्यों को टैबलेट व प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस मौके पर बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन काफी प्रेरणादायी है। आज हम लोग डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मना रहे हैं। उनके योगदान को याद कर रहे हैं। शिक्षकों को सिर्फ सम्मानित ही नहीं, उनकी निष्ठा और योगदान को प्रणाम करने के लिए यह कार्यक्रम है। राधाकृष्णन राष्ट्र के शिल्पकार भी हैं। उस दीपक की तरह जो खुद को जलाकर दूसरे का रास्ता प्रशस्त करता है।

आठ साल में बेसिक शिक्षा विभाग की छवि बदली

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई गुल्लक किताब बच्चों की कल्पनाशक्ति को नया आयाम देगी। बाल वाटिका हस्त पुस्तिका का भी विमोचन होगा। गुरु हमारे व्यक्तित्व को भी आकार देने का काम करते हैं। विभाग को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। शिक्षा की नई अलख जगाई है। पिछले आठ साल में बेसिक शिक्षा विभाग की छवि बदली है। सरकार प्रदेश में हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बिना भेदभाव के दे रही है।

मंत्री ने आगे कहा कि स्कूलों में डिजिटल शिक्षा, छम्च के तहत नए प्रयोग, लर्निंग बाई डूइंग का प्रयोग कर रहे हैं। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत सभी बेसिक सुविधा दे रहे हैं। बच्चे स्मार्ट क्लास, टैबलेट से पढ़ाई कर रहे हैं। बैठने के लिए अच्छे फर्नीचर उपलब्ध हैं। छब्म्त्ज की किताबों को बेसिक में भी लागू करने जा रहे हैं। कक्षा चार तक अगले साल लागू करेंगे। इसे आठ तक ले जाएंगे।

● प्रधानाचार्यों को टैबलेट व प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए

केजीबीवी 13वीं तक अपग्रेड हो रहे हैं। हर जिले में दो–दो सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनेंगे।

1104 करोड़ से 2107 स्कूलों का हुआ कायाकल्प

इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि विभाग के 15 शिक्षक सम्मानित किए जा रहे हैं। कई सुधार हो रहे हैं। शिक्षकों की तैनाती ऑनलाइन की जा रही है। शिक्षकों के चयन के लिए आयोग से काम हो रहा है। प्रोजेक्ट अलंकार से स्कूलों का कायाकल्प 1104 करोड़ से 2107 स्कूल लाभान्वित हुए हैं। एडेड विद्यालयों के लिए 134 करोड़ जारी किए गए हैं। इससे 368 विद्यालय लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए नीति आयोग ने भी इसे सराहा है। अन्य राज्यों को इसे लागू करने को कहा गया है। व्यावसायिक शिक्षा को भी लागू कर रहे हैं। संस्कृत विद्यालयों का भी विकास हो रहा है। इसमें जनप्रतिनिधि का भी सहयोग ले सकते हैं। आईसीटी लैब की स्थापना हो रही है। प्रधानाचार्य को टैबलेट दिया जा रहा है। 2017 से नकल पर नकेल लगी है। नकल माफिया पराजित हो गए हैं। कोई पकड़ा गया तो एक करोड़ का जुर्माना, आजीवन कारावास होगा। मार्कशीट इतनी मजबूत बनाई जा रही है कि इसे कोई फाड़ भी नहीं सकता है। मंत्री ने आगे कहा कि आज हम शिक्षक दिवस मना रहे हैं। शिक्षक विद्वान बनाता है। गुरु हमें महान बनाता है। वर्तमान परिवेश में कपटी, कायर, क्रूर की संख्या बढ़ रही है। यह समाज हित में नहीं हैं। सत्ता को भी शिक्षक की आवश्यकता है। सत्ता और समाज दोनों में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे शिष्य तैयार करें जो समाज के लिए काम करें।

लश्कर–ए–जिहादी की मुंबई को दहलाने की धमकी

34 मानव बम, 400 किलो आरडीएक्स का दावा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि एक धमकी भरा कॉल आने के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है। कॉल करने वाले ने दावा किया कि 34 गाड़ियों में 34 मानव बम रखे गए हैं, जिनमें 400 किलोग्राम आरडीएक्स है। ये बम विस्फोट पूरे शहर को हिलाकर रख देंगे। यह धमकी भरा कॉल ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन पर आया था। मुंबई पुलिस ने बताया कि अनंत चतुर्दशी की पूर्व संध्या पर लश्कर–ए–जिहादी नामक संगठन ने यह धमकी जारी की थी। पुलिस ने बताया कि पूरे राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बताया कि धमकी भरे संदेश में दावा किया गया है कि मानव बमों से लदी 34 कारों का इस्तेमाल 400 किलोग्राम आरडीएक्स विस्फोट करने के लिए किया जाएगा, जिससे एक करोड़ लोग मारे जाएँगे। वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक रेलवे स्टेशन को उड़ाने की झूठी धमकी देने के आरोप में सोमवार को एक 43 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बताया कि आरोपी, जिसकी पहचान रूपेश मधुकर रणपिसे के रूप में हुई है, ने रविवार शाम करीब 4 बजे पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके बताया कि उसने कलवा रेलवे स्टेशन पर बम रखा है। अगस्त में, दक्षिण मुंबई के गिरगाँव इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर को बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला था, जो परिसर की गहन तलाशी के बाद फर्जी निकला। एक अधिकारी ने बताया कि 22 अगस्त की शाम को मंदिर प्रशासन को एक आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम विस्फोट की चेतावनी वाला एक ईमेल मिला। अधिकारी ने बताया कि मंदिर के अधिकारियों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद रात में बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) के साथ परिसर की तलाशी ली गई।

महमूद मदनी का दावा, पहलगाम आतंकी साजिश को नागरिक समाज ने रोका, वरना फैल जाती अराजकता

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने का श्रेय देश के नागरिक समाज को देते हुए, जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने शुक्रवार को कहा कि अगर यह घटना किसी और देश में होती, तो बहुत अराजकता फैल जाती। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, मदनी ने कहा कि देश का नागरिक समाज पहलगाम आतंकी हमले के पीछे की साजिश को समझता है, जिसका उद्देश्य देश में समुदायों के बीच फूट डालना था। उन्होंने इसे ऑपरेशन सिंदूर से भी बड़ी उपलब्धि माना। मदनी ने

कहा कि सबसे पहले, जिस तरह से उन बदमाशों ने दूसरों के नाम पूछकर उन्हें मार डाला – मैं अपने देशवासियों का जितना भी शुक्रिया अदा करूँ कम है, जिन्हें मैं हिंदू और मुसलमान में नहीं बांटना चाहता। उन्होंने धैर्य दिखाया। यह सच है – अगर यह कोई और देश होता, तो कौन जानता है कि किस तरह की अराजकता फैल जाती। यही भारत की खूबसूरती है। उन्होंने आगे कहा कि उस शर्मनाक घटना को नाकाम करने में सबसे बड़ी भूमिका इस देश के नागरिक समाज की थी। उन्होंने समझा कि यह इस देश में रहने वाले समुदायों को लड़ाने की एक साज़िश है और इसे नाकाम कर दिया। यह ऑपरेशन सिंदूर से भी बड़ा काम था। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के साथ खड़ा होना नागरिकों का कर्तव्य है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विपक्ष ने भी यही किया। मदनी ने आगे कहा, ष्जब ऑपरेशन सिंदूर हुआ, तो अच्छे कामों के लिए भी सरकार की आलोचना करने वालों ने भी इसका समर्थन किया। अपनी सेना के साथ खड़े रहना हमारा कर्तव्य है। 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में किए गए आतंकी हमले में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक सहित 26 पर्यटक मारे गए थे।

देश के शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। श्रीमती मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि दोनों होती हैं। भावनाओं और बुद्धि का समन्वय विद्यार्थियों पर भी प्रभाव डालता है। राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है, स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की आवश्यकताओं को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता के साथ अध्ययन की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करके, हम अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एक अमूल्य निवेश करते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करना महिला–नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विस्तार और वंचित वर्ग की बालिकाओं को विशेष शिक्षा सुविधायें प्रदान करने पर ज़ोर देती है, लेकिन शिक्षा से जुड़ी किसी भी पहल की सफलता मुख्यतः शिक्षकों पर निर्भर करती है।

युगांडा में एमपॉक्स के मामले 8,001 पहुँचे, 50 की मौत

कंपाला, एजेंसी। युगांडा में पिछले चौबीस घंटों में खतरनाक बीमारी एमपॉक्स के कारण दो लोगों की और मौत होने से इससे मरने वालों का आंकड़ा 50 पर पहुंच गया। साथ ही 15 नए मामले दर्ज किए गए जिससे इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 8,001 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि नए मामले भले ही सामने आए हों लेकिन इस बीमारी का संक्रमण ढलान पर है। सप्ताह के आधार पर सामने आए मामलों को देख कर यह कहा जा सकता है कि संक्रमण की घटनाओं में कुल मिलाकर कमी आई है। मंत्रालय के अनुसार अब तक 146 जिलों में से 120 में से एमपॉक्स की शुरुआत से कम से कम एक मामला सामने आया है और 40 जिलों में पिछले 21 दिनों में नए मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ष्कुल मिलाकर, पुष्ट मामलों में 50 मौतें हुई हैं, जिनमें से 46 प्रतिशत एचआईवी से सह–संक्रमित थे।ष् रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वास्थ्य अधिकारी संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए टीकाकरण अभियान, निगरानी, मामले प्रबंधन और जन जागरूकता पहल जारी रखे हुए हैं।

सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान : चीन सीमा विवाद भारत की सबसे बड़ी चुनौती

गोरखपुर, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि चीन के साथ भारत का सीमा विवाद देश के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। गोरखपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीन का सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान का छद्म युद्ध अगला बड़ा मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि इस्लामाबाद की रणनीति हमेशा से 'भारत को हज़ार ज़ख्म देकर लहूलुहान करने' की रही है। अनिल चौहान ने उपस्थित लोगों को बताया कि देशों के सामने चुनौतियाँ क्षणिक नहीं हैं; वे विभिन्न रूपों में मौजूद हैं। मेरा मानना है कि चीन के साथ

सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आगे भी रहेगी। दूसरी बड़ी चुनौती पाकिस्तान का भारत के खिलाफ छद्म युद्ध है, जिसकी रणनीति श्भारत को हज़ार ज़ख्मों से लहूलुहान करनेश की है। उन्होंने कहा कि एक और चुनौती यह है कि युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैंकृअब इसमें साइबर और अंतरिक्ष भी शामिल हैं। हमारे दोनों प्रतिद्वंद्वी परमाणु शक्ति संपन्न हैं, और यह तय करना हमेशा एक चुनौती बना रहेगा कि हम उनके खिलाफ किस तरह के अभियान चलाना चाहते हैं। शीर्ष सैन्य अधिकारी ने मई में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की, जिसमें भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान सशस्त्र बलों को पूरी तरह से परिचालन की आज़ादी थी और इसका उद्देश्य हमारे धैर्य की सीमा रेखा खींचना था। उन्होंने कहा, ष्ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमें पूरी तरह से परिचालन की आज़ादी थी, जिसमें योजना बनाना और लक्ष्यों का चयन भी शामिल था। इसका उद्देश्य आतंकवादी हमले का बदला लेना नहीं, बल्कि हमारे धैर्य की सीमा रेखा खींचना था।''

नालों की सफाई नहीं कराने पर बने बाढ जैसे हालात : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने डिसिल्टिंग नहीं कराई जिससे दिल्लीवालों को बारिश के बाद तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। श्री केजरीवाल ने शुक्रवार को यहां शास्त्री पार्क में दिल्ली सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए लगाए गए राहत कैंपों का दौरा कर कहा कि दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। तमाम इलाकों में पानी भर गया है। लोग अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इन शिविरों में भी तमाम परेशानियां हैं, खाने और पानी तक का ठीक इंतजाम नहीं है। लोग बारिश के नीचे रात गुजराने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया है, क्योंकि भाजपा सरकार ने डिसिल्टिंग नहीं कराई थी। इसलिए दिल्लीवालों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर भारत के तमाम हिस्सों में भारी बारिश की वजह से तबाही हो रही है। केंद्र सरकार ने जैसे भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान के लिए राहत सामग्री भेजी, वैसे ही सरकार को इन राज्यों की ओर भी ध्यान देना चाहिए। श्री केजरीवाल ने कहा , "हम समझ सकते हैं, यह कुदरत का कहर है लेकिन ऐसे समय में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गरीबों और दूसरे नागरिकों के लिए सारे जरूरी इंतजाम करे। हमारा दिल्ली की भाजपा सरकार से निवेदन है कि जिन राहत शिविरों में गरीब लोग रहने को मजबूर हैं, वहां सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।"

भारत के स्टार्टअप आंदोलन में आईआईटी रुड़की का अहम योगदान : डॉ. जितेंद्र

रुड़की, एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के दीक्षांत समारोह को संबंधित करते हुए कहा, "देश भर में 1. 7 लाख स्टार्टअप्स में से लगभग 240 स्टार्टअप्स के साथ, आईआईटी, रुड़की भारत के स्टार्टअप आंदोलन में एक बड़ा योगदान दे रहा है।" डॉ. सिंह ने कहा कि आपके नौ उत्कृष्टता केंद्र, आपदा जोखिम, लचीलापन एवं स्थिरता के क्षेत्र में आपका अग्रणी कार्य, एवं वाइब्रेंट विलेज जैसी पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ आपकी गहरी भागीदारी आपको एक शैक्षणिक संस्थान का सच्चा आदर्श बनाती है। उन्होंने आईआईटी, रुड़की की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिमालय में स्थित होने के कारण, आपकी भूमिका न केवल आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण है, बल्कि उस समय भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिसे मैं श्शांतिकालश कहता हूँ, जहाँ आपके जैसे संस्थान राष्ट्र के लिए लचीलापन, स्थिरता एवं विकास का निर्माण करने में सहायता करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, "संस्थान को लगातार चौथे वर्ष भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा सर्वाधिक नवोन्मेषी संस्थान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही स्टैम में महिलाओं की उत्कृष्टता के लिए कार्टियर अचीवर पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। जबकि कल शाम ही, राष्ट्रीय रैंकिंग में, आप छठे स्थान पर रहे। यह अपने आप में इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि इस संस्थान ने वर्षों से अपने मानकों को कितनी उल्लेखनीय निरंतरता के साथ बनाए रखा है।"

अपर मुख्य सचिव के आश्वासन पर विधानसभा का घेराव स्थगित

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों की ऑफ़लाइन स्थानांतरण सूची जारी करने को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) की ओर से शिक्षक दिवस पर लखनऊ विधानसभा पर प्रस्तावित घेराव

अपर मुख्य सचिव के आश्वासन पर स्थगित कर दिया गया है। संगठन के प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव ने बताया कि गुरुवार दोपहर 1.45 बजे अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार से प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा एवं प्रदेश महामंत्री राजीव यादव ने मुलाकात की। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि ऑफ़लाइन स्थानांतरण का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष विचाराधीन है। इस पर संगठन ने घेराव को स्थगित कर दिया है।

अस्पताल से लापता हुई आवासित गर्भवती नाबालिग

प्रयागराज। कॉल्विन अस्पताल में भर्ती आवासित गर्भवती नाबालिग लड़की के लापता होने से खलबली मची है। लड़की को चार दिन पहले ही राजकीय बालगृह से आवासित कराया गया था। मऊआइमा पुलिस और बालगृह के पदाधिकारी एक दूसरे पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि अभी तक लड़की का पता नहीं चल सका है। मऊआइमा थानाक्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय लड़की को नौ मार्च को गांव का एक लड़का फुसलाकर अपने साथ ले गया था। लड़की की मां ने आरोपी युवक समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने खोजबीन कर लड़की को बरामद किया, तो वह गर्भवती मिली।

बाल कल्याण समिति के निर्देश पर लड़की को 30 अगस्त को राजकीय बालगृह में आवासित कराया गया। पुलिस का कहना है कि दो अगस्त को लड़की को मेडिकल व जांच के लिए कॉल्विन अस्पताल ले जाना था लेकिन, बालगृह से किसी तरह सहयोग नहीं किया गया और न ही किसी महिला कर्मचारी को साथ भेजा गया। मऊआइमा थाने की एक महिला आरक्षी की देखरेख में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन, तीन सितंबर की सुबह लड़की अस्पताल से लापता हो गई। उधर, राजकीय बालगृह का कहना है कि पुलिस की देखरेख में लड़की लापता हुई है। इसमें बालगृह की कोई जवाबदेही नहीं है। मऊआइमा थाने की पुलिस ने लड़की को राजकीय बालगृह में आवासित कराया था। लड़की अस्पताल में लापता हुई है। जबकि वहां महिला आरक्षी की तैनाती थी। लड़की की सुरक्षा की पुलिस की जिम्मेदारी थी। सर्वजीत सिंह, डीपीओ।

विमर्श के पहले अतिथि होंगे डॉ. अनिल रस्तोगी

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) में साल में एक बार आयोजित होने वाला सांस्कृतिक समारोह 'विमर्श अब प्रत्येक महीने कराया जाएगा। जिसमें कला, संस्कृति व फिल्म जगत की नामचीन हस्तियों में से किसी एक को हर महीने आमंत्रित किए जाने का निर्णय हुआ। इसी कड़ी में विमर्श के पहले अतिथि भारतीय रंगमंच, टेलीविजन व फिल्म अभिनेता डॉ. अनिल रस्तोगी होंगे। जो शनिवार को केंद्र के सभागार में संस्कृत कर्मियों से शाम पांच बजे संवाद करेंगे। केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा ने बताया कि रंगकर्मियों को डॉ. रस्तोगी के जीवन संघर्ष की गाथा सुनने का अवसर मिलेगा।

जीएसटी की कटौती से आम परिवारों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट ने जीएसटी सुधारों और कर दरों के पुनर्गठन को क्रांतिकारी फैसला बताया है। इससे छोटे व्यापारी और अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी। कैट के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से चार सौ से अधिक वस्तुओं पर कर कम करने के फैसले से आम आदमी के रोजमर्रा के खर्चों में राहत मिलेगी। जबकि एसबीआई की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि त्योहारी सीजन में सात से आठ फीसदी तक खरीदारी में वृद्धि होगी। वहीं, केंद्र सरकार के इस फैसले से आम परिवारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

झूंसी में पकड़ा सेक्स रैकेट, लोगों ने जमकर मचाया हंगामा

प्रयागराज। झूंसी रेलवे स्टेशन के समीप एक मकान में सेक्स रैकेट चलने का मामला सामने आया है। दर्जनों की संख्या में स्थानीय लोगों ने मकान पर धावा बोलते हुए जमकर हंगामा मचाया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने संचालिका समेत चार युवतियों को हिरासत में लिया है। हालांकि इसी बीच मौका पाकर मकान के अंदर से आधा दर्जन युवक भाग निकले। पहले तो स्थानीय पुलिस आनाकानी करती नजर आई। हालांकि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर आलाधिकारियों के निर्देश पर संचालिका समेत चार युवतियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। झूंसी स्टेशन के समीप लोगों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से मकान में आपत्तिजनक गतिविधि चलने की जानकारी मिल रही थी। यहां प्रतिदिन कई युवक आते रहे हैं। एक महिला द्वारा मकान के अंदर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। लोगों ने गुरुवार की देर शाम एकजुट होकर विरोध करते हुए मकान में धावा बोल दिया। मकान के अंदर संचालिका समेत चार युवतियां मिली। कमरे के अंदर आपत्तिजनक सामान भी मिले हैं। लोगों का आरोप है कि हो–हल्ला सुनकर मकान के पीछे के रास्ते से आधा दर्जन युवक भाग निकले।

टीईटी मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री से मिलने शिक्षक

प्रयागराज। वैचारिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल से मुलाकात कर सर्वोच्च न्यायालय के 2010 से पूर्व के सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य करने संबंधी आदेश पर चर्चा की। कैबिनेट मंत्री को ज्ञापन सौंपकर निवेदन किया कि मुख्यमंत्री से वार्ता कर विशेष पुर्नविचार याचिका दायर की जाए क्योंकि यह लाखों शिक्षकों के हित से जुड़ा मामला है।

बेंच लगे न झूले, पार्क बनाकर भूले

प्रयागराज। कुम्भ 2019 के पूर्व शहर को सजाने–संवारने के लिए कई योजनाएं बनीं। पीडीए ने नैनी क्षेत्र में यीशु दरबार के पास पार्क का निर्माण कराया तो लगा कि जल्द ही यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी और लोग पार्क का उपयोग कर सकेंगे लेकिन बनाने के बाद विभाग इसे भूल गया। लगातार अनदेखी किए जाने से पार्क की यह हालत हो गई है कि वह कबाड़खाने में तब्दील होता जा रहा है। कोई सुविधा न होने से लोग पार्क का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। अंधेरा और सन्नाटा देख पार्क में अराजकतत्वों ने अपना ठिकाना बना रखा है।

शाम को लोग यहां आने से कतराते हैं। स्थानीय लोगों से बात की तो वे पीडीए की कार्य प्रणाली से काफी नाखुश दिखे। कहा, पार्क में झूले और जिम के उपकरण लगने थे तथा सुंदरीकरण होना था लेकिन पार्क बना कर ऐसे ही छोड़ दिया गया है। बनने के आठ वर्ष बाद भी कोई जिम्मेदार यहां झांकने नहीं आया जिससे पार्क बदहाल हो चला है। नैनी के यीशु दरबार के पास पीडीए ने वर्ष 2017 में पार्क का निर्माण कराया। पार्क के एक हिस्से में घंटेश्वर महावीर मंदिर होने के कारण स्थानीय लोगों ने इसे बजरंग पार्क नाम दे दिया और इसी नाम से यह जाना जाने लगा। कुम्भ 2019 के पूर्व पार्क के कायाकल्प की योजना थी। कहा गया था कि पार्क में ओपेन एयर जिम के उपकरण लगेंगे। सुंदर लॉन तैयार किया जाएगा, टहलने के लिए पाथ वे बनेगा, बच्चों के लिए झूले लगेंगे, पार्क का सुंदरीकरण कर उसमें बिजली, पानी आदि सभी सुविधाएं मुहैया करा दी जाएंगी। लेकिन पार्क बनाकर पीडीए भूल गया। नतीजा यह हुआ कि पूरा पार्क बदहाली का शिकार हो गया। यहां अब कबाड़ रखे जा रहे हैं। लम्बे समय से पार्क में सफाई नहीं कराई गई है जिससे जगह–जगह कचरे का ढेर लगा हुआ है। निगम की कूड़ा गाड़ी पार्क में खड़ी मुंह चिढ़ा रही है। जिस जगह आपेन एयर जिम के उपकरण और झूले लगने थे वहां कबाड़ रखा जा रहा है। बारिश में पार्क में पानी भर जाता है और जल भराव व कीचड़ के कारण आना मुश्किल हो जाता है। पाथवे के न होने से लोग टहलने नहीं आते। लोगों के बैठने के लिए बेंच भी नहीं हैं।

पार्क में लाइट की व्यवस्था न होने से पार्क शाम होते ही अंधेरे में डूब जाता है। सूनसान और अंधेरे के कारण लोग आने से कतराते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस समय पार्क बना था उस दौरान मड़ौका, महेवा, डांडी, गंगोत्री कालोनी, यमुनोत्री कालोनी, सरस्वती विहार सहित आसपास की कॉलोनी और बस्ती के लोग यहां टहलने आते थे। धीरे–धीरे पार्क बदहाल होता चला गया और लोगों ने आना बंद कर दिया। टूटा है हैंडपंप, पानी की व्यवस्था भी नहीं पार्क में आने वाले लोगों के लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। पार्क में लगा इकलौता हैंडपंप अरसे पहले दम तोड़ चुका है। लोगों को आसपास की दुकानों से बोतल का पानी खरीदना पड़ता है। हैंडपंप खराब होने की शिकायत स्थानीय लोग विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी कर चुके हैं लेकिन किसी ने इस समस्या के निदान के लिए पहल नहीं की जिससे पानी की समस्या का निदान नहीं हो पाया है। नशेड़ी और अराजक तत्वों का लगा रहता है मजमा पार्क में सन्नाटा देखकर अराजकतत्व और नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। लाइट न जलने से उन्हें और आसानी हो जा रही है। शाम होते ही नशेड़ियों का यहां मजमा लग जाता है। कभी कभार पुलिस आती भी है तो बाहर से घूम कर चली जाती है। नशेड़ियों पर किसी तरह की रोकटोक न होने से दिनोंदिन इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि अगर पार्क की हालत ठीक होती और सुबह–शाम आम लोगों की आवाजाही बनी रहती तो नशेड़ी यहां अपना अड्डा न बना पाते। खतरा बना खुले में रखा बिजली बॉक्स पार्क में खुले में बिजली का बॉक्स लगा हुआ है जिससे तमाम तार इधर उधर गए हैं। कुछ तार तो कच्ची जमीन से होकर गए हैं। खुले बॉक्स और जमीन पर दौड़ रहे बिजली के तारों के कारण कभी भी यहां कोई अनहोनी हो सकती है। लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पार्क की दीवार से लगा बिजली का बॉक्स भी खुला पड़ा होना हादसे का सबब बन सकता है। अतिक्रमण की भरमार पार्क की अनदेखी कर दिए जाने के कारण यह अतिक्रमण का शिकार बन कर रह गया है। पार्क में लोगों ने अपने घरों के कबाड़ डाल दिए हैं। कुछ विभागों की टूटी पाइपें भी बेतरतीब ढंग से पार्क में फेंक दी गई हैं। पार्क को खाली देख लोग मलबा और कचरा भी यहीं डाल कर चल दे रहे हैं। पार्क के कुछ हिस्से में मंदिर और कुछ हिस्से में शौचालय बना दिया गया है। पार्क की जमीन कच्ची है जिसमें पानी भर जाता है। लोग पार्क का उपयोग नहीं कर पा रहे। पार्क बनाया है तो सभी इंतजाम भी करने चाहिए थे लेकिन शिकायत के बाद भी कोई ध्यान नहीं दे रहा।–नंदलाल पार्क में बिजली का बॉक्स खुला पड़ा है जिससे कई तार इधर उधर गए हैं। बिजली के तार जमीन पर फैले रहते हैं जिसमें करंट दौड़ता रहता है । इससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है।–राकेश कुमार पार्क में लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है। शाम होते ही पार्क में अंधेरा छा जाता है और नशेड़ी आकर मजमा लगा लेते हैं। नशेड़ियों के कारण आम लोग पार्क की तरफ आने से कतराते हैं।–मनीष त्रिपाठी पार्क के सुंदरीकरण के लिए स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं। कई बार इसके लिए पीडीए और निगम के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है लेकिन पार्क में कोई सुधार नहीं हो पाया है।–आयुष पांडेय पार्क में न तो पीने के पानी का इंतजाम है और न लाइट जलती है। पूरा पार्क कबाड़ से भरा हुआ है। पहले लोग यहां आते थे लेकिन चारदीवारी पर भी अतिक्रमण कर दुकानें लगाई जा रही हैं। जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण हर तरफ अतिक्रमण की भरमार है।

पार्क बना था तो हमें उम्मीद थी कि जल्द ही यहां सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया करा दी जाएंगी। झूले और जिम के उपकरण लग जाएंगे लेकिन जिम्मेदार पार्क बना कर भूल गए।– वरुण चौबे पार्क बने करीब आठ वर्ष हो गए हैं लेकिन अब तक न तो यहां लाइट की व्यवस्था की गई है न ही पेयजल की। बैठने के लिए बेंच भी नहीं लगाई गई है। टहलने के पाथवे भी नहीं है।–आशीष उपाध्याय पार्क बना था तो हमें काफी उम्मीद थी लेकिन अब तक न तो जिम के उपकरण लग पाए और न बच्चों के लिए झूले। जिम्मेदार पार्क बनाकर भूल गए जिससे इसका लाभ नहीं मिल पाया।–रोहित कहा जा रहा था कि पार्क का सुंदरीकरण होगा, झूले लगेंगे, ओपेन एयर जिम बनेगा लेकिन हालत यह है कि लाइट तक नहीं लग पाई है। पेयजल की व्यवस्था भी नहीं है तो लोग कैसे आएंगे।– सचिन पार्क बनाकर लावारिस छोड़ दिया गया है। अगर पार्क का सुंदरीकरण हो जाए और झूले आदि लग जाएं तो आसपास की कॉलोनियों और बस्तियों के लोग इसका उपयोग कर सकेंगे।–वकील नाथ पार्क पार्क की हालत देखकर लोगों ने यहां आना बंद कर दिया।–जितेन्द्र कुमार पार्क बना था तो उम्मीद थी कि इसमें सुधार होगा और लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा। लेकिन पार्क बनाने के बाद किसी जिम्मेदार ने इसकी सुधि नहीं ली। जिससे पार्क बदहाल हो गया है।–इन्द्रासन सिंह यादव पार्क के आसपास की कॉलोनियों में काफी संख्या में युवा और छात्र रहते हैं। पार्क में ओपेन एयर जिम के उपकरण लग जाते तो हमें काफी आसानी हो सकती थी। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा।–शशांक सिंह पार्क के अंदर आएं तो लगेगा ही नहीं कि स्मार्ट सिटी के पार्क में हैं। हर तरफ गंदगी पसरी रहती है। न झूले हैं और न जिम के उपकरण लगाए गए हैं। बिजली और पानी का भी इंतजाम नहीं है।–शिवम सिंह पार्क में पाथवे न होने से हम लोग टहलने के लिए नहीं आते। यहां न तो बैठने के लिए बेंच है और न ही पानी की व्यवस्था है। शाम को तो अंधेरे के कारण हम लोगों का आना नहीं हो पाता।–तापेश श्रीवास्तव पार्क को बने आठ साल हो गए हैं लेकिन कोई जिम्मेदार यहां झांकने भी नहीं आया। पार्क बना कर इसे लावारिस छोड़ दिया गया है। पार्क का सुंदरीकरण हो जाए तो लोगों को इसका लाभ मिले।–नवीन मिश्रा बोलीं पार्षद— पार्क में समुचित सफाई और फॉगिंग कराई जाएगी। साथ ही वहां बैठने की व्यवस्था के लिए चेयर लगाने को अधिकारियों से बात करेंगे। विद्युत व्यवस्था और पार्क के सौंदर्यरीयकरण के लिए संबंधित से मिलकर इसका काम शुरू कराया जाएगा।– रूबी पासवान, वार्ड नंबर 1

शर्मनाक! टॉफी का लालच देकर चार साल की मासूम से रेप, झाड़ियों में खून से लथपथ मिली बच्ची

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में घूरपुर इलाके के एक गांव में अपनी मां के साथ बकरी चराने गई एक चार वर्षीय मासूम के साथ गांव के ही एक युवक ने दरिंदगी की। बच्ची खून से लथपथ मिली।

बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस को मामले में शिकायत दी गई। पुलिस ने मामले में जांच शुरू करी दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिश दी और उसके पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार बच्ची की मां ने घूरपुर थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद शिकायत की है। मां की तहरीर के आधार पर केस दर्ज करके पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को मिली शिकायत

के अनुसार घूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की एक महिला का आरोप है कि उसका पति मजदूरी करने के लिए बाहर गया था और वह अपनी चार वर्षीय बेटी के साथ बकरी चराने यमुना की तराई की ओर गई थी।

बताया जा रहा है कि इसी बीच गांव का एक युवक पहुंचा और उक्त चार वर्षीय मासूम को गोद में लेकर लाड प्यार करने लगा।

इसी बीच महिला की बकरी कुछ दूर चली गई तो महिला उक्त युवक को बेटी का ध्यान रखने की बात कहते हुए बकरियों को तलाशने लगी। कुछ देर बाद लौटी तो उक्त स्थान पर न तो बेटी थी और न ही उक्त युवक ही था। बेटी की आवाज लगाते लगाते वह कुछ दूर गई तो एक झाड़ी को आड़ में मासूम खून से लथपथ पड़ी कराह रही थी।

महिला किसी तरह बेटी को लेकर गांव आई और फिर उसे लेकर घूरपुर थाने शिकायत लेकर पहुंची।

एमबीए डिग्रीधारी भी बनेंगे यूपी में असिस्टेंट प्रोफेसर

प्रयागराज। प्रदेश के 217 राजकीय डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1253 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन गुरुवार से शुरू हो गए हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 28 विषयों में भर्ती निकाली है। कई विषयों में अंतरू संबद्ध और समकक्ष विषयों को मान्य किया गया है। वाणिज्य विषय में व्यवसायिक प्रशासन एवं प्रबंध, लेखाशास्त्र एवं सांख्यिकी के साथ ही आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध विषयों को भी मान्य किया गया है। साफ है कि मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) करने वाले भी वाणिज्य विषय के 157 पदों पर आवेदन कर सकते हैं। वनस्पति विज्ञान में सर्वाधिक समकक्ष विषय मान्य है।

असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान के 79 पदों के लिए प्लांट साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री,

मरीन बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक्स, इनवायरमेंटल साइंस और लाइफ साइंस को मान्य किया गया है। इतिहास में आधुनिक, मध्यकालीन व प्राचीन इतिहास के साथ ही पुरातत्व विषय भी मान्य है। गृह विज्ञान में फूड एंड न्यूट्रिशन, क्लाथिंग टेक्सटाइल्स, ह्यूमन डेवलपमेंट और फैमिली रिसोर्सेस मैनेजमेंट जबकि रसायन विज्ञान में व्यावहारिक रसायनशास्त्र, कार्बनिक, अकार्बनिक रसायन और फार्मास्युटिकल भी मान्य है।

प्राणि विज्ञान में एनिमल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, मॉलीक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, इनवायरमेंटल साइंस, फिशरीज एंड लाइफ साइंस मान्य है। राजनीतिशास्त्र में लोक प्रशासन एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध भी मान्य है।

दुनिया के शीर्ष 500 विश्वविद्यालय से पढ़ने वाले भी मान्य असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में दुनिया के शीर्ष 500 विश्वविद्यालय से पढ़ाई करने वाले भी आवेदन कर सकते हैं। क्वैक्वेरेली सायमंड (क्यूएस), दि टाइम्स हायर एजुकेशन या शंघाई जियाओ टांग यूनिवर्सिटी के विश्व के विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक रैंकिंग (एआरडब्ल्यू) में शीर्ष 500 रैंक वाले विदेशी विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

डा.जीएस तोमर बने आयुष रिसर्च के निदेशक

प्रयागराज। विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष व आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो. जीएस तोमर को इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स, कानपुर का आयुष रिसर्च का निदेशक बनाया गया है। डॉ. तोमर विगत कई वर्षों से इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स में महर्षि चरक आयुर्वेद रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट स्कीम के चेयरमैन के रूप में कार्य कर रहे हैं। डॉ. तोमर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। साथ ही सोसाइटी ऑफ इम्यूनोलॉजी एंड इम्युनोपेथोलॉजी के अध्यक्ष व महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य हैं। कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित डॉ. तोमर आयुर्वेद की वैज्ञानिकता को समृद्ध कर रहे हैं।

प्रयागराज में दिखाई देगी जगन्नाथ पुरी की भव्यता

प्रयागराज। हिंदू धर्म के पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक जगन्नाथ पुरी की भव्यता की अनुभूति इस बार जनमानस को शास्त्रीनगर की दुर्गा पूजा में होगी। इस तीर्थ स्थल की थीम पर पंडाल का निर्माण शास्त्रीनगर दुर्गा पूजा समिति तैयार करा रही है, ताकि अपने स्वर्ण जयंती समारोह को यादगार बना सके। इस थीम की परिकल्पना समिति के अध्यक्ष पीयूष सिंह, महामंत्री प्रतीक सोनी व कोषाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने पिछले वर्ष तब की थी जब महोत्सव के 49वें वर्ष में उज्जैन के ज्योतिर्लिंग महाकाल थीम पर पंडाल का निर्माण कराया गया था। दुर्गा पूजा पार्क, शास्त्रीनगर में पंडाल का निर्माण कार्य आठ अगस्त से कराया जा रहा है।

कोलकाता से आए दो दर्जन कारीगर पंडाल का निर्माण कार्य 25 तक पूरा कर समिति को सौंप देंगे। पंडाल 150 फीट ऊंचा बनाया जा रहा है। जिसमें मां दुर्गा की पंद्रह फीट की प्रतिमा विराजमान कराई जाएगी। मां के अस्त्र–शस्त्र व आभूषण कोलकाता से मंगवाए गए हैं। खास बात है कि पंडाल के मुख्य द्वार पर भगवान जगन्नाथ की विशाल प्रतिमा जनमानस को आकर्षित करने के लिए लगाई जाएगी। अध्यक्ष ने बताया कि बहुत से लोगों को जगन्नाथ पुरी जाने का सौभाग्य नहीं मिल पाता है। ऐसे में समिति ने प्रयागराज में ही मंदिर की भव्यता दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। नवरात्र की षष्ठी तिथि से पूजा महोत्सव का शुभारंभ होगा।

अकीदत के साथ मनाया जा रहा ईद-मिलादुन्नबी का पर्व

प्रयागराज। ईद–मिलादुन्नबी का पर्व शुक्रवार को अकीदत व एहतेराम के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में रातभर रौनक छायी हुई है। मोहल्लों व गलियों को झंडों, रंग–बिरंगी झालरों और बहुरंगी रोशनी के सजाया गया है। खासकर चौक जामा मस्जिद की भव्य सजावट लोगों को आकर्षित कर रही है। इस मौके पर अटाला, सब्ज़ी मंडी, नूरूल्लाह रोड, पत्थर गली, शाहगंज, करेली, अकबरपुर, बक्शी बाज़ार, रानी मंडी, दरियाबाद, रसूलपुर, बहादुरगंज में जुलूस निकाला गया। जुलूसों का जगह–जगह अंजुमनों की ओर से स्वागत किया जा रहा है। बेहतर नात ख्वानों को तंजीमों की ओर से पुरस्कृत किए जाएंगे।

सैय्यद मोहम्मद अस्करी के अनुसार 11वीं रबिउल अव्वल की रातभर नात ओ सलाम और तकबीर की आवाज़ें बुलन्द होती रहीं। घरों व मस्जिदों में फातेहा ख्वानी कराई गई। मौलाना शमशेर आज़म ने जलसे में आए लोगों को हजरत मोहम्मद की सीरत के बारे में बताया और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

डा. स्नेह प्रभा को शासकीय एवं विभागीय कार्यों में श्रेष्ठ कर्तव्य निर्वहन हेतु माध्यमिक शिक्षा विभाग ने किया सम्मानित

हापुड़। शिक्षक दिवस के अवसर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग हापुड़ के द्वारा उत्कृष्ट शिक्षण कार्य एवम शासकीय एवम विभागीय कार्यो में श्रेष्ठ कर्तव्य निर्वहन हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उनको सम्मान मिलने से विभाग व विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर है। डॉ स्नेह प्रभा ने जब से विद्यालय का प्रधानचार्य का पदभार संभाला है तबसे विद्यालय शिक्षण के साथ साथ सांस्कृतिक व खेलों में भी एक नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनको सम्मान पत्र मुख्य विकास अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक के द्वारा प्रदान किया गया।

सपा ने हर्ष के साथ मनाई डा. सर्वपल्ली राधाकृष्ण जयंती

मुजफ्फरनगर।समाजवादी पार्टी द्वारा महान दार्शनिक व देश के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं देश के दूसरे राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण की जयंती हर्ष के साथ मनाई। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष ज़िया चौधरी एडवोकेट व समाजवादी शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष अक्षय चौधरी ने उनकी

तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि वह देश के महान दार्शनिक व शिक्षक थे तथा उनके द्वारा संस्कृति व शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अनेक पुस्तक लिखी गई। वह दर्शन शास्त्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध हुए इसलिए ही उनके जन्मदिन 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में सपा नेता अनुज कुमार गुर्जर इमलाक प्रधान,अली अब्बास जैदी, चौधरी योगेन्द्र कुमार, समाजवादी छात्र सभा जिला उपाध्यक्ष जुनेद आलम सहित अनेक सपा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'माटी कहे कुम्हार से' पुस्तक का हुआ लोकार्पण एवं सरस काव्यगोष्ठी

प्रयागराज। माँ वीणापाणि की कृपा से प्रयाग के नवोदित कवि श्री जे०पी० श्रीवास्तव 'जलज' की अनुपम काव्य–कृति 'माटी कहे कुम्हार से' का शुभ लोकार्पण कार्यक्रम आज दिनांक 5/9/2025 को प्रयागराज के चर्चित कवियों के मध्य डॉ शारदा पाण्डेय को

अध्यक्षत में श्री शिवराम उपाध्याय 'मुकुल – मतवाला' के आवास रैन बसेरा पर साँय पाँच बजे सम्पन्न हुआ। इस आयोजन मे चर्चित कवि रविनंदन सिंह, डॉ रवि कुमार मिश्रा, शिवराम उपाध्याय श्मुकुल मतवालाश, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, उमेश श्रीवास्तव, राजेश सिंह राज, मंजू पाण्डेय महक जौनपुरी, इंदु प्रकाश मिश्र, डॉ वीरेंद्र तिवारी, केपी गिरी, कमल नारायण, आदि उपस्थित रहे। इसके उपरांत सुरुचि कविगोष्ठी का कार्यक्रम रहा।

वार्डनगण ने जुलूस-ए-मदेसहाबा में अपनी ड्यूटी का बखूबी किया निर्वहन

लखनऊ, संवाददाता। सआदतगंज प्रखंड के सभी वार्डनगण ने जुलूस–ए–मदेसहाबा में अपनी ड्यूटी का निर्वहन बखूबी किया। इस अवसर पर डिवीजन वार्डन श्री हरिश्चंद्र जी, पोस्ट वार्डन असद महमूद किदवई, मोहम्मद अजीज, मिर्ज़ा मुश्ताक़ बेग, सैय्यद आसिफ अहमद, राजकुमार सैनी (पोस्ट वार्डन),

सेक्टर वार्डन राजेंद्र कुमार, चंद्रपाल, शिवपाल, अंकित, किरण राणा, ऋतु खन्ना, ओमप्रकाश तथा सिराज सहित पत्रकार और समाजसेवक भी मौजूद रहे। सभी ने अनुशासन, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

नगर पालिक अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने रामलीला ध्वज यात्रा का कराया शुभारंभ

श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति पटेलनगर में पूजन के बाद हुई ध्वज स्थापना

मुजफ्फरनगर। श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति पटेलनगर में शुक्रवार को रामलीला मंचन कार्यक्रम समारोह के लिए विधिवत ध्वज स्थापना की गई। इससे पूर्व पटेलनगर मैदान से भारी उत्साह और धूमधाम से रामलीला ध्वज यात्रा निकाली गई। हनुमान जी घोड़े पर सवार होकर रामलीला ध्वज यात्रा पर निकले, मंडी क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर लोगों ने यात्रा का स्वागत करते हुए हनुमान जी पर पुष्प वर्षा भी की।

श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति पटेलनगर द्वारा अपने 50वें स्वर्ण जयंती रामलीला महोत्सव के आयोजन की विधिवत घोषणा करते हुए हनुमान जी की झांकी के साथ रामलीला ध्वज यात्रा निकाली गई और पूजन के साथ रामलीला मैदान में ध्वज स्थापित कर दिया गया। श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति के मुख्य प्रबंधक अनिल ऐरन और कार्यक्रम संयोजक पूर्व सभासद विकल्प जैन ने बताया कि रामलीला भवन में मुख्य अतिथि उद्यमी मुकेश गोयल एवं नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, वरिष्ठ पत्रकार अंकुर

दुआ ने रामायण जी का पूजन और हनुमान जी की आरती की। इसके पश्चात मुख्य अतिथि नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने मैदान से ध्वज यात्रा का शुभारंभ कराया। शोभायात्रा पटेलनगर मैदान से प्रारम्भ होकर नई मंडी, मुनीम कालोनी, गऊशाला रोड, बिन्दल बाजार, पुरानी गुड मंडी सहित अन्य मार्गों से होते हुए रामलीला मैदान पर आकर सम्पन्न हुई

रामलीला कमेटी के मुख्य प्रबंधक अनिल ऐरन द्वारा सभी अतिथियों का कलाकारों और कमेटी के पदाधिकारियों के साथ अभिनदंन एवं स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को रामलीला कमेटी की ओर से क्षेत्र में रामलीला मंचन कार्यक्रम के लिए ध्वज स्थापना के साथ ही ध्वज यात्रा का आयोजन किया, जो मंडी क्षेत्र में अपने परम्परागत मार्ग से ढोल–ताशों के साथ गुजरी। हनुमान जी रामलीला का ध्वज लेकर भक्तों के बीच पहुंचे। इस साल हम 50वां रामलीला मंचन महोत्सव मनाने जा रहे हैं। इसके लिए 20 सितम्बर से रामलीला मंचन का प्रारम्भ करने की पूरी तैयारी की जा रही है। रामलीला पटेलनगर का मंचन स्थानीय कलाकारों के द्वारा ही किया जाता रहा है। इसके लिए 100 से ज्यादा कलाकार विभिन्न रूप से रामलीला भवन से जुड़े हुए हैं। सावन माह की शुरूआत से ही कलाकारों के द्वारा रामलीला मंचन के लिए रिहर्सल प्रारम्भ कर दी जाती है। कार्यक्रम में अनिल ऐरन, विकल्प जैन, गोपाल चौधरी, जितेन्द्र कुच्छल, जितेन्द्र नामदेव, नारायण ऐरन, प्रमोद गुप्ता, विनय मित्तल, दिनेश जेन, अंशुल गुप्ता, विकास भारद्वाज, मोन्टू पाटिल, अनिल लोहिया, विपुल मोहन, सोनू कुमार, पीयूष शर्मा, राकेश बंसल, तनिष्क भारद्वाज, देवेन्द्र पतला और पंकज आनन्द सहित रामलीला कमेटी के अन्य सदस्य एवं कलाकार मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस

आशादीप मूक-बधिर एवं मन्द बुद्धि संस्थान में लायन्स क्लब दिव्य द्वारा शिक्षक/शिक्षिकाओं का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया

मुजफ्फरनगर। आज आशादीप मूक–बधिर एवं मन्द बुद्धि प्रशिक्षण संस्थान मे लायन्स क्लब दिव्य द्वारा समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओ को प्रशस्ति पत्र/उपहार देकर सम्मानित किया गया तथा दिव्यांग बच्चो के लिए भी उपहार दिये गये। क्लब सदस्यो द्वारा स्पीच थैरेपी का भी अवलोकन किया गया, जिसको कुछ समय पहले लायन्स क्लब दिव्य ने ही भेंट किया था। सर्वप्रथम क्लब के अध्यक्ष नन्द गोपाल बंसल,सचिव संदीप सिंघल एवं संस्थान के अध्यक्ष इंजी.लोकेश चंद्रा, सचिव इंजी. आर.के.गोयल आदि द्वारा माँ शारदा एवं सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण/पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजी लोकेश चंद्रा जी ने की। प्रधानाचार्य ब्रजमोहन शर्मा द्वारा शिक्षक दिवस पर संक्षेप मे चर्चा की तथा लायन्स क्लब दिव्य द्वारा इस संस्थान को

दिये जा रहे उनके योगदान पर धन्यवाद दिया। क्लब के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यो गिरीश अग्रवाल जी, कामिनी सिंघल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान के सचिव गोयल साहब द्वारा संस्थान के बारे मे बताया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य ब्रजमोहन शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे संस्थान के सदस्य कार्यकारिणी रामबीर सिंह, प्रधानाचार्य ब्रजमोहन शर्मा, समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओ, स्टाफ सदस्यगण तथा लायन्स क्लब दिव्य से नन्द गोपाल बंसल, संदीप सिंघल, राजीव अग्रवाल गिरीश अग्रवाल, अजय गर्ग, श्याम गुप्ता, रजनीश अग्रवाल, विनय शर्मा,दीपक शर्मा, पवन अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, सत्यप्रकाश, अविन अग्रवाल , सलेख मित्तल, डॉ कामिनी सिंघल, शर्मिला मित्तल आदि। कार्यक्रम के अंत मे इंजी लोकेश चंद्रा जी द्वारा सभी उपस्थित सम्मानित जनो का ह्रदय से आभार व्यक्त किया गया।

शिक्षक दिवस के अवसर साहबगंज इंटर कॉलेज में समाजसेवी की प्रतिमा स्थापना हेतु जिलाधिकारी ने किया भूमिपूजन, शिक्षकों को किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। साहबगंज स्थित सुखपतिराम इंटर कॉलेज में आज शिक्षाविद एवं पूर्व प्राचार्य स्व. पं. रामकिशोर मिश्र की प्रतिमा स्थापना के लिए जिलाधिकारी शिवसहाय अवस्थी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमिपूजन कर आधारशिला रखी। इस अवसर पर शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में डीएम ने शिक्षकों को सम्मानित भी किया। समारोह में जिलाधिकारी ने कहा कि "शिक्षक मजबूत समाज और प्रखर राष्ट्र के निर्माता होते हैं। उनका सम्मान करना भविष्य की पीढ़ी को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।" डीएम ने प्रबंध समिति के अध्यक्ष पं. श्यामकिशोर शुक्ल के साथ स्व. पं. सुखपतिराम उपाध्याय की प्रतिमा और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. रामराज शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल डीएम ने शिक्षकों को अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, विशिष्ट अतिथि आईएएस योगेश मिश्र ने स्व. रामकिशोर मिश्र के सामाजिक और शैक्षिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति एवं जिले के ग्रामीण इंटर कॉलेजेज एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. श्यामकिशोर शुक्ल ने की। अतिथियों का स्वागत शशिप्रकाश मिश्र ने किया, प्रधानाचार्य मनोज मिश्र ने विद्यालय की शैक्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, संचालन अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया और आभार ज्ञापन शिक्षक ज्ञानप्रकाश मिश्र ने किया। समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश सिंह, संयुक्त अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय तिवारी, सत्य प्रकाश मिश्र, रणधीर सिंह, सोनू तिवारी, नागेश मिश्र, चंदन मिश्र सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। इससे पूर्व परिसर में छात्राओं ने डीएम का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

'एक पौधा गुरु के नाम' : सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में पौधारोपण कार्य सम्पन्न

प्रयागराज। आज सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग के स्नातक छात्रों द्वारा कॉलेज परिसर में अमलतास, टेबुयिा आदि पौधों का रोपण किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के मार्गदर्शन और उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए प्रकृति संरक्षण का संदेश देना था। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता श्रीवास्तव ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा डॉ. दीपक कुमार गोंड ने पौधों के संरक्षण एवं देखभाल की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की डॉ. पूजा गौड़, शोध छात्र रूपेन्द्र, पवन, सुरेश, स्वप्निल, आर्या, रत्ना, शिवालिका, हिमांशु, अंकित, सुष्मा तथा माली कमल, रामपति और दयाशंकर आदि उपस्थित रहे।

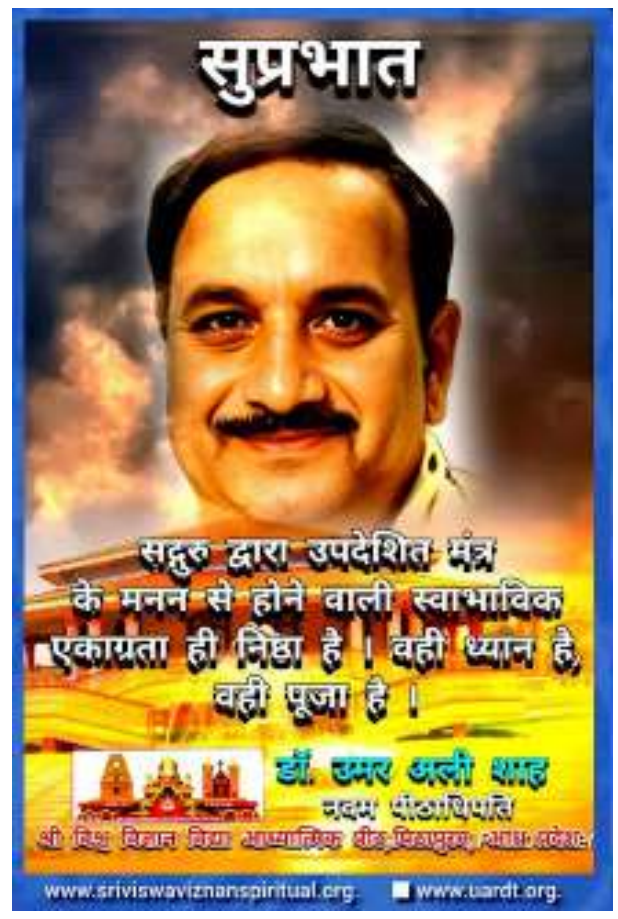

गुलाब के फूल

(कुण्डलिया)

दो गुलाब के फूल ने, ऐसा किया कमाल।
जग मधुबन लगने लगा, बातें सभी रसाल।
बातें सभी रसाल, कहानी दिल की कहतीं।
आँखें तकती राह, मगर वह कभी न थकतीं।
सुन लो कहें प्रदीप,कुदरती वाणी बोलो।
जिसकी प्यारी रीति, निभाते हैं गुलाब दो।।

टहनी से होकर अलग, कहने लगा गुलाब।
बनूँ हथेली की महक, भरूँ आँख में ख़्वाब।
भरूँ आँख में ख़्वाब, कहानी दिल की बनकर।
रह किताब के बीच,बात करता हूँ दिनभर।
सुन लो कहें प्रदीप,सदा रख निर्मल करनी।
महकेगा संसार, हरी होगी फिर टहनी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उच्च शिक्षा मंत्री पहुंचे केजीएमयू, घायल छात्रों का जाना हालचाल

लखनऊ, संवाददाता। श्री राम स्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी के पुलिस के लाठीचार्ज में घायल एलएलबी के छात्रों से उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने किंग चार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचकर भेंट की और उनका हालचाल जाना।उच्च शिक्षा मंत्री को घायल छात्रों ने पुलिसिया बर्बरता की वीडियो दिखाई और अपने दर्द का इजहार किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा, योगी सरकार छात्रों के साथ खड़ी है। उनके हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि घायल छात्रों को देखकर स्पष्ट है कि लाठीचार्ज पूरी तरह से अमानवीय और पाशविक कृत्य था। उच्चशिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि इस घटना में संलिप्त पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और मंडलायुक्त को मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा परिषद के सचिव दिनेश राजपूत की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई गई है। कोई भी दोषी बचने नही पायेगा । हर पहलू की जांच की जा रही है। योगी आदित्यनाथ की सरकार में यह सब नही चलने वाला है।

राजाजीपुरम में नाला निर्माण के दौरान दीवार ढही, 4 मजदूर दबे,एक की हालत गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में राजाजीपुरम डी ब्लॉक में नाला निर्माण के दौरान दीवार ढहने से 4 मजदूर मलबे में दब गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब नगर निगम की ओर से जल निकासी के लिए नाला निर्माण कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, खुदाई का काम बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के शुरू किया गया था। दीवार गिरने की वजह से शैलेश, शंकु, दीपू और प्रमोद नामक मजदूर मलबे के नीचे दब गए। सभी मजदूर सीतापुर जनपद के निवासी हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मकान मालिक अर्चना त्रिवेदी ने बताया– सुबह से बिना किसी सूचना और सुरक्षा इंतजाम के खुदाई शुरू कर दी गई थी। जैसे ही गहरा गड्ढा हुआ, हमारे घर की दीवार गिर गई। नगर निगम द्वारा क्षेत्र में जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए यह काम शुरू किया गया था, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते यह हादसा हो गया।

ईंट लदे ट्रैक्टर ने व्यक्ति को कुचला, मौके पर मौत,पत्नी की हालत गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के सैरपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सैयां गांव के पास ईंट लदे ट्रैक्टर–ट्राली ने स्कूटी सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पर सवार कमलाबाद बढ़ौली निवासी 45 वर्षीय रामस्वरूप की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी गीता को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल गीता को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने रामस्वरूप के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

डंपर ने युवक को रौंदा,गाड़ी बैक करते समय पहिए के नीचे आया

लखनऊ, संवाददाता। सरोजनी नगर में शुक्रवार सुबह एक युवक को डंपर ने रौंद दिया। घटना सुबह 8.30 बजे स्कूटर इंडिया–पिपरसंड रोड पर स्कूटर इंडिया गेट नंबर–1 के पास हुई। मृतक की पहचान उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के ज्ञानपुर निवासी ललई (35) के रूप में हुई है।

सम्पादकीय.....

मदद का संकल्प

उत्तर से दक्षिण भारत तक जब भी कोई आपदा या संकट देश पर आया है, पंजाबियों ने आगे बढ़–चढ़कर पीड़ितों की मदद की है। पंजाब की धरा से गुरुओं व पीर–पैगम्बरों ने मानवता के उत्थान व मिल–जुलकर खाने की सीख दी है। गुरुओं का यह संदेश देश–दुनिया में प्रेरणा का प्रतीक बना हुआ है। ऐसे वक्त में जब पंजाब बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है तो शेष देश के लोगों को निस्वार्थ भाव से आगे आने की जरूरत है। उल्लेख करना जरूरी है कि पंजाब के लोग हमेशा बेहद स्वाभिमानी रहे हैं। इस सीमावर्ती राज्य ने गाहे–बगाहे विभिन्न चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। मध्यकाल में विदेशी आक्रांता रहे हों या आजादी के बाद पाकिस्तान के आक्रमण, पंजाबियों ने भारत की सुरक्षा ढाल बनकर जीवटता का परिचय दिया है। यहां जरूरी है कि किसी मदद से पहले पंजाबियों के स्वाभिमान का विशेष ख्याल रखा जाए। यूं तो इस आपदा की घड़ी में सेना के अलावा पंजाब के विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठन अपने स्तर पर लोगों को संकट से उबारने के काम में प्राणपण से लगे भी हुए हैं। लेकिन आपदा का बड़ा स्तर देखते हुए शेष देश से योगदान की उम्मीद की जा रही है। निस्संदेह, आपदा का दायरा बड़ा है, जिसमें राज्य के 23 जिलों में करीब तीन लाख से अधिक लोग जलप्लावन का त्रास झेल रहे हैं। बड़े पैमाने पर कृषि भूमि जलमग्न हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संकट की इस घड़ी ने लोगों को स्वतरूस्फूर्त रूप में एकजुट किया है। पंजाबियों का जज्बा देखिए कि सरकारी मदद पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उफनते पानी में नावें उतार दीं। उन्होंने न केवल पड़ोसियों, बच्चों–बूढ़ों को बचाया, बल्कि पशुओं को बचाने के लिये भी भरसक प्रयास किए। सारी दुनिया में मानवता का पर्याय बने लंगर लगाए गए। जगह–जगह अस्थायी आश्रय स्थल बनाए गए। बिना किसी संकोच के राशन बांटा गया। निस्संदेह, पंजाबियों की यह भावना कोई पहली बार नहीं देखी गई। अपने देश में ही नहीं, विदेशों में भी मदद के तमाम प्रेरणादायक उदाहरण हमारे सामने हैं। अब चाहे तुर्की का भूकंप हो या केरल में प्राकृतिक आपदा का तांडव, पहले प्रतिक्रिया देने वालों के रूप में पंजाबियों की विशिष्ट पहचान रही है। खालसा एड, यूनाइटेड सिख्स, हेमकुंट फाउंडेशन और अनगिनत स्थानीय गुरुद्वारों से जुड़े संगठनों ने मुश्किल वक्त में तेजी से काम किया है। जरूरतमंद लोगों तक भोजन,पानी,दवा और चारा पहुंचाया है। गुरुदासपुर और कपूरथला में स्वयंसेवकों ने कमर तक गहरे पानी में जाकर संकटग्रस्त लोगों को बाहर निकाला है। इतना ही नहीं, पशु चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में फंसे मवेशियों की देखभाल कर रहे हैं। वित्तीय मदद भी मिल रही है, जिसे राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अविलंब बढ़ाए जाने की जरूरत है। इसके साथ ही गैर सरकारी संगठन, परोपकारी लोग और यहां तक कि कलाकार भी लोगों की मदद व पुनर्वास का संकल्प ले रहे हैं। एक पंजाबी सेलिब्रिटी ने 200 घरों के लिये सहायता का वायदा किया है। जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे सांस्कृतिक हस्तियां तबाही की विभीषिका कम करने के लिये सामुदायिक समूहों के साथ आगे आ रही हैं। निस्संदेह, इस संकट की घड़ी में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, वायु सेना ने नावों, हेलीकॉप्टरों और राहत शिविरों के जरिये पीड़ितों को तात्कालिक राहत पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। वे तसवीरें मानव सेवा के संकल्प को दर्शाती हैं, जिसमें ग्रामीणों ने ट्रैक्टर–ट्रालियों को जीवन रक्षक नौकाओं में तब्दील कर दिया है। प्रवासी समूहों द्वारा आर्थिक मदद भेजना भी एक सुखद पहल है। निस्संदेह, पंजाब में इस सेवा की संस्कृति और निस्वार्थ पहल की बार–बार परीक्षा भी हुई है। लेकिन जब आपदा का स्तर विकराल हो तो महज इस सद्भावना से ही संकट का निवारण संभव नहीं है। पंजाब में अब बाढ़ पीड़ितों को तेजी से मुआवजा देने, पारदर्शी ढंग से फसल की क्षति का मूल्यांकन तथा घरों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने की जरूरत होगी। अगर सरकारी तंत्र और नागरिक समाज मिलकर अपनी ऊर्जा का उपयोग करे, तो न केवल पंजाब इस प्राकृतिक आपदा से जल्दी उबर पाएगा, बल्कि ये प्रयास एक प्रेरणादायक पहल के रूप में पूरे देश का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

हरित क्रांति के जरिये खाद्य सुरक्षा के सूत्रधार

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉ. स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त, 1925 को तमिलनाडु के कुम्भकोणम में हुआ था। साल 1943 के बंगाल में अकाल पड़ा जिसमें करीब 30 लाख लोगों की मौत हुई। इस त्रासदी ने बालक स्वामीनाथन को झकझोर दिया।

भारतीय हरित क्रांति के जनक डॉ. मंकोम्बु शांबसिवन स्वामीनाथन का जन्मशताब्दी वर्ष 2025 राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण है और भारत के सर्वाधिक प्रभावशाली आनुवंशिकी वैज्ञानिक की शाश्वत विरासत का उत्सव भी। डॉ.एम. एस. स्वामीनाथन ने भारत को भुखमरी के कगार से उबारकर अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया तथा स्थायी खाद्य सुरक्षा की मजबूत नींव रखी। आज की युवा पीढ़ी प्रो. स्वामीनाथन के आदर्शों, दृष्टि और विरासत से अपार प्रेरणा ले सकती है, जिससे यह जन्मशताब्दी केवल स्मरण का दिन न रहकर विज्ञान, कृषि, स्थिरता और सामाजिक समानता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता से सीखने का एक अवसर बन जाती है। बता दें कि डॉ. स्वामीनाथन भारत रत्न से भी नवाजे गये थे वहीं वे सांसद भी रहे। डॉ. स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त, 1925 को तमिलनाडु के कुम्भकोणम में हुआ था। साल 1943 के बंगाल में अकाल पड़ा जिसमें करीब 30 लाख लोगों की मौत हुई। इस त्रासदी ने बालक स्वामीनाथन को झकझोर दिया। उन्होंने निश्चय किया कि विज्ञान के माध्यम से भुखमरी की समस्या का समाधान ढूंढना है। उन्होंने जूलॉजी से कृषि–विज्ञान की ओर रुख किया और अपना जीवन राष्ट्र में खाद्य–सुरक्षा की खोज को समर्पित कर दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली से

साइटोजेनेटिक्स में स्नातकोत्तर के बाद उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा दी, जिसमें उनका चयन आईपीएस के लिए हुआ। लेकिन उन्होंने आईपीएस छोड़कर नीदरलैंड्स में यूनेस्को की आनुवंशिकी छात्रवृत्ति स्वीकार की। नीदरलैंड्स से आठ माह बाद स्वामीनाथन इंग्लैंड चले गए और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के प्लांट ब्रीडिंग संस्थान से पीएच.डी. प्राप्त की। इसके उपरांत अमेरिका के विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय में डेढ़ वर्ष पोस्ट–डॉक्टोरल शोध सहायक के रूप में कार्य किया। सन् 1954 में डॉ.स्वामीनाथन उस समय भारत लौटे जब देश गंभीर अनाज संकट और विदेशी आयातों पर भारी निर्भरता से जूझ रहा था। साल 1960 के शुरुआती दशक में उन्होंने महान अमेरिकी कृषिविद् डॉ.नॉर्मन बोरलॉग के साथ हाथ मिलाया, जिन्हें व्यापक रूप से 'हरित क्रांति के जनक' के रूप में जाना जाता है। डॉ.बोरलॉग और डॉ.स्वामीनाथन ने मिलकर उच्च उत्पादकता वाली और रोग–रोधी गेहूं की किस्मों पर अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त किया, जिसने भारतीय कृषि को नई दिशा प्रदान की। जहां डॉ.बोरलॉग की मैक्सिको में विकसित अर्ध–बौनी गेहूं की किस्मों ने पहले ही भुखमरी से पीड़ित अनेक देशों को बचाया था, वहीं डॉ.स्वामीनाथन ने इन किस्मों को भारतीय मिट्टी, जलवायु और खेती की पद्धतियों के अनुरूप ढालकर परिष्कृत किया। यह साझेदारी भारत की हरित क्रांति की चिंगारी भी बनी, जिसने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की।हरित क्रांति भारत के लिए जीवनदायिनी साबित हुई। देश में खाली अनाज भंडार, कम उपज देने वाली फसलें और विदेशी सहायता पर अस्वस्थ निर्भरता थी। ऐसे समय में डॉ.स्वामीनाथन द्वारा प्रस्तुत नई उच्च उपज किस्म (एचवाईवी) के बीजों ने भारतीय किसानों को वर्षों बाद भरपूर फसल का अनुभव कराया। बंजर खेत अनाज के भंडारों में बदल गए। सबसे लोकप्रिय आईआरद्8 धान और मैक्सिकन अर्ध बौनी गेहूं की किस्में थीं। हरित क्रांति ने रासायनिक खाद, सिंचाई तकनीकों और कृषि उपकरणों का भी परिचय कराया। एक दशक में ही भारत का गेहूं उत्पादन 1965 के 1 करोड़ टन से बढ़कर लगभग 2 करोड़ 30 लाख टन तक पहुंच गया। डॉ.स्वामीनाथन की कड़ी मेहनत और समर्पण ने आज के भारत की नींव रखी– भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल निर्यातक और दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है। भारत की हरित क्रांति के शिल्पकार डॉ.एम. एस. स्वामीनाथन ने न केवल देश को अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि पूरी दुनिया को सतत कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा दिखाई। 1982 से 1988 तक वे फिलीपींस स्थित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टिट्यूटके महानिदेशक रहे। इसी दौरान उन्हें पहला वर्ल्ड फूड प्राइज (1987) मिला, जिसे उन्होंने एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना में लगाया। आज यह संस्था उनकी पुत्री वैज्ञानिक डॉ.सौम्या स्वामीनाथन के नेतृत्व में कार्यरत है। मैन्ग्रोव वनों की तटीय सुरक्षा में भूमिका को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। वहीं बतौर संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी परियोजना सह–अध्यक्ष भूख व गरीबी उन्मूलन तथा सतत कृषि पर वैश्विक रणनीतियां बनाईं। सतत विकास और सामंजस्यपूर्ण जीवन पद्धति के प्रबल समर्थक के रूप में, स्वामीनाथन ने बायोहैप्पीनेस की सुंदर अवधारणा प्रस्तुत की। उनके अनुसार वास्तविक खुशी तभी संभव है जब मानव और उसके चारों ओर का प्राकृतिक पर्यावरण दोनों साथ–साथ फलें–फूलें। स्वामीनाथन ने कहा था कृ 'यदि कृषि गलत हो जाए, तो और कुछ भी सही नहीं हो सकता।' 28 सितम्बर 2023 को दुनिया ने डॉ. स्वामीनाथन को खो दिया। उनके द्वारा समर्थित आदर्श आज भी एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं।

चलें ज्ञान की ओर,शिक्षा के प्रकाश के मार्गदर्शक शिक्षक

संजीव ठाकुर

नैसर्गिक रुप से हर संतान की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है। जीवन के संसार में प्रवेशके बाद प्रतीक ज्ञान की शालाओं के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण शिक्षकीय जीवन में छात्रों के लिए ज्ञान के दिग्दर्शन, देश के श्रेष्ठ नागरिक बनाने और मानविय संवेदनाओं को जीवन मे मार्गदर्शित करने की होती है। इस संदर्भ में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अत्यंत सारगर्भित बात कही कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में हम बड़े आदर श्रद्धा पूर्वक म,नाते हैं। (वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी कहा है कि विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य है।) आज शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी आमूल चूल परिवर्तन देखा गया और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं उन पर विश्वास में कुछ वर्षों में काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों

शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैसे तो यह विदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय, महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता, सहयोग रखना भी होता हैस शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100: निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें किन्तु हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना कितना न्यायोचित होगा। राष्ट्र के निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इनका दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग–अलग दिवसों में मनाया जाता हैस शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैंस किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वे मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत–प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकेंस यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दर्शाते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है जिससे शिक्षक अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर सके. पर भारतीय परिपेक्ष में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को न्यूनतम वेतन में संविदा नियुक्ति पर रख उनका अवमूल्यन कर दिया गया है। उनको सम्मानीय शिक्षक का पद ना बोलते हुए शिक्षा कर्मी का पद दे दिया गया है जो कि न सिर्फ शिक्षक की गरिमा के विरुद्ध है बल्कि उनके सम्मान को भी ठेस पहुंचाती हैस शिक्षकों के लिए 5 सितंबर का दिवस मना कर हम इतिश्री कर लेते हैं जबकि एक आदर्श शिक्षक से उम्मीद करते हैं कि वह वह प्रशासनिक तौर पर कक्षा में आशावादी दृष्टिकोण रखने वाला एक विद्वान व्यक्ति हो, मनोविज्ञान का ज्ञान भी उसे सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप विनोदी स्वभाव के साथ हो, दूरदर्शिता एवं मिलनसार सद्गुण उसके गुणों में समाहित होना चाहिए।

समस्त गुरुजनों के चरणारविंद में सादर नमन वंदन

गुरु सम नहीं कोई उपकारी।
गुरु की महिमा जग में न्यारी।।
ज्ञान प्रकाश करे शुभकारी।
सब प्रकार गुरु मंगल कारी।।

गुरु सम कोई नहीं उपकारी।
गुरु की महिमा जग में न्यारी।।

ज्ञान पुँज रवि सम गुरु जानो।
गुरु की महिमा को पहचानो।।
शरण गुरु की जो भी आया।
सार तत्त्व जीवन का पाया।।

गुरु सम कोई नहीं उपकारी।
गुरु की जग में महिमा न्यारी।।

लख चौरासी नर तन पाया।
उस पर विकट जगत की माया।।
ज्ञान–शलाका जो गुरु लाये।
सकल कलुष मन गलता जाये।।

गुरु सम कोई नहीं उपकारी।
गुरु की महिमा जग में न्यारी।।

गुरु वशिष्ठ ने राम उबारे।
संदीपन गुरु कृष्ण सँवारे।।
गुरु द्रोण अर्जुन को साधा।
बने सहाय हरी सब बाधा।।

गुरु सम कोई नहीं उपकारी।
गुरु की महिमा जग में न्यारी।।

गुरु कृपा जिस पर सुखकारी।
वो नर रहे न दीन दुखारी।।
दया–दृष्टि जिस पर पड़ जाये।
सुख–संपद यश शुभ–गति पाये।।

गुरु सम कोई नहीं उपकारी।
गुरु की महिमा जग में न्यारी।।

गुरु काटे भव संकट भारी।
कह–कह महिमा वाणी हारी।।
वेद पुराण यशोगुण गाते।
परमेश्वर झुक शीश नवाते।।

गुरु सम कोई नहीं उपकारी।
गुरु की महिमा जग में न्यारी।।

क्षमा कौशिक, देहरादून

उमर खालिद को फिर नहीं मिली जमानत

2020 के दिल्ली दंगों में आरोपी बनाए गए उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशां फातिमा, अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा–उर–रहमान, मीरान हैदर और शादाब अहमद की जमानत याचिका 2 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की बेंच ने यह फैसला लिया है। इन सब पर आरोप है कि ये सभी दिल्ली दंगे में किसी श्बड़ी साजिशश का हिस्सा थे। अब ये साजिश कौन सी थी, उसका सच क्या है। क्या वाकई इन्हीं लोगों ने दंगे भड़काए, जैसा कि दिल्ली पुलिस का आरोप है या असल गुनहगार कोई और है, ये सारे खुलासे तो तभी हो पाएंगे जब मुकदमा चलना शुरु होगा। आश्चर्य है कि पिछले पांच सालों से उमर खालिद जेल में बंद हैं, लेकिन उन पर अब तक कोई मुकदमा चलाया नहीं गया है, जहां सुनवाई हो तो आरोपी भी अपना पक्ष रखे, अपने बचाव में तर्क प्रस्तुत करे। पांच सालों में देश और दुनिया में कितना, कुछ बदल गया है। एआई का इस वक्त ऐसा बोलबाला हो गया है कि स्क्रीन पर दिखने वाली कोई घटना, कोई किरदार असली है या नकली इसका पता ही नहीं चलता। सच और झूठ के बीच हमेशा से एक अदृश्य महीन रेखा होती है, जिसे अनुभवी लोग परख लेते हैं। लेकिन एआई ने इन अनुभवों को भी चुनौती दी है। ऐसे में दिल्ली दंगों का सच भी क्या पूरी तरह कभी सामने आ पाएगा, इसमें संदेह है। और जितना ज्यादा वक्त गुजरता जाएगा, सच पर झूठ की परतें चढ़ाना आसान हो जाएगा। इसलिए बेहतर तो यही होता कि इस मामले में मुकदमा चलना शुरु हो जाता। दिल्ली दंगों में ही एक और आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका भी मंगलवार को खारिज हुई है, जिसकी सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ कर रही थी। इस बेंच का कहना है कि दिल्ली दंगों

की बड़ी साजिश के मामले में विभिन्न समय पर मुकदमे में देरी के लिए आरोपी स्वयं जिम्मेदार हैं, न कि दिल्ली पुलिस या निचली अदालत। गौरतलब है कि करीब छह महीने पहले पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने पत्रकार बरखा दत्त को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि उमर खालिद को जमानत इसलिए नहीं मिली क्योंकि उनके वकील बार बार समय मांगते थे। वे मुकदमा शुरु नहीं होने देते और केस स्थगन की मांग जजों से करते थे। इस साक्षात्कार में जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा था कि सोशल मीडिया पर एक खास नजरिया सामने लाया जाता है, जबकि जजों के पास अपने बचाव के लिए कोई मंच नहीं है। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी वाय चंद्रचूड़ ने ही बयान दिया था कि जमानत कोई अपवाद नहीं है, बल्कि एक नियम है और निचली अदालतों में इसे लागू करने में झिझक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई लोगों को जमानत दी और इस बात पर जोर दिया कि जमानत देने में उदारता बरती जानी चाहिए। लेकिन उनके मुताबिक दिल्ली दंगों में आरोपियों के वकील ही जमानत की राह में आड़े आ रहे हैं और यही विचार अब हाईकोर्ट के माननीय जजों ने व्यक्त किए। इस लिहाज से तो अब उमर खालिद समेत तमाम आरोपियों का पक्ष रखने वाले वकीलों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए ताकि अगली बार जमानत की अर्जी लगे तो उसे खारिज करने के नौबत न आए। बिना सुनवाई या सजा के पांच साल का लंबा वक्त जेल में गुजारना न्यायिक व्यवस्था के लिए आदर्श स्थिति नहीं है। पिछले साल अमेरिका के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने उमर खालिद को जेल पर पूरे पन्ने की स्टोरी प्रकाशित की थी, जिसमें मोदी सरकार पर तो गंभीर सवाल उठे ही थे, देश की न्यायिक व्यवस्था पर भी सवाल थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के लिहाज से भारत की छवि कुछ खास अच्छी नहीं है और ऐसी घटनाएं इस दाग को और गहरा करती हैं।

कंतारा: चैप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी ने बिना बॉडी डबल दिए खतरनाक स्टंट

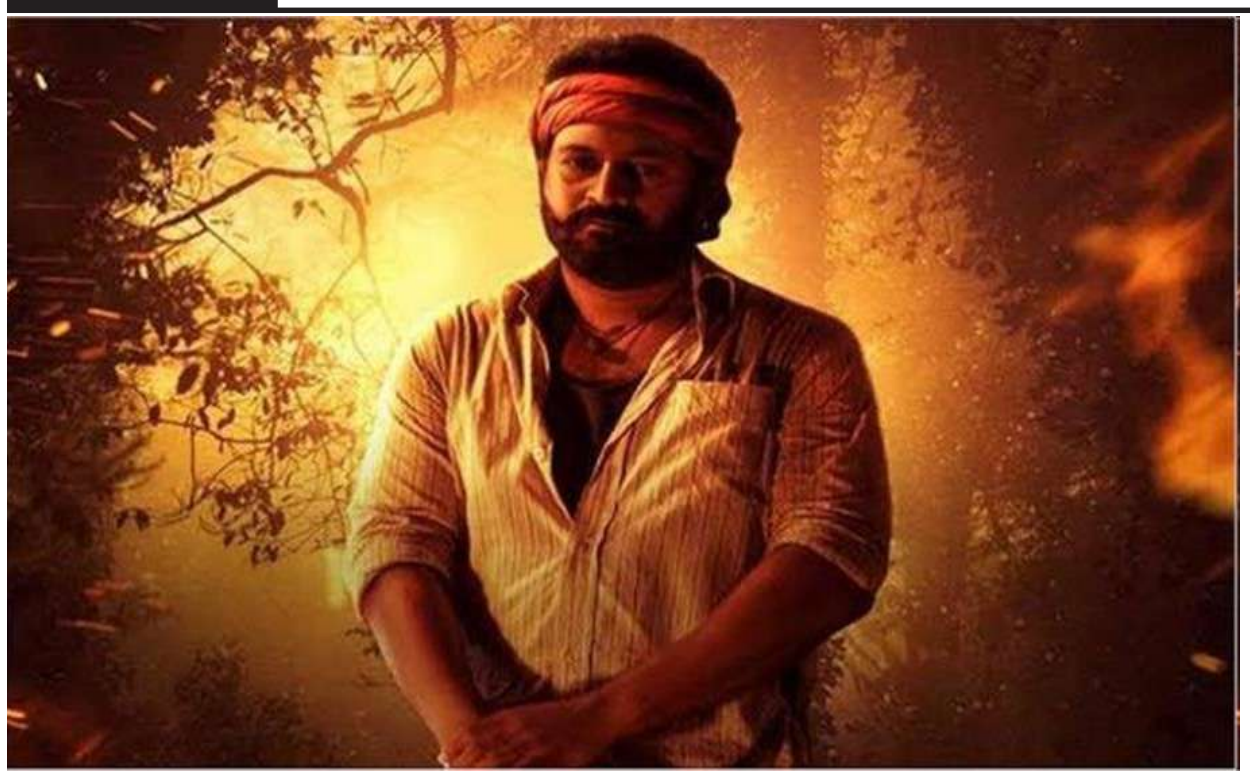

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। 2022 में आई कंतारा की जबरदस्त सफलता के बाद, इसे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्मेंस के कारण सबसे बड़ी स्लीपर हिट का दर्जा दिया गया। ऐसे ने अब इसका प्रीक्वल उस लेगेसी को आगे ले जाने का वादा करता है, जिससे दर्शकों का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है। साल की सबसे बड़ी फिल्म होने के नाते, ऋषभ शेट्टी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और उन्होंने अपने सभी स्टंट खुद बिना किसी बॉडी डबल के किए हैं। कंतारा चौप्टर 1 के एक्शन–स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने बताया कि, "हमने ऋषभ के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बिना किसी मदद, खुद अपने स्टंट किए हैं। उनका बॉडी लैंग्वेज इतना अलग है कि कोई डुप्लीकेट कॉपी नहीं कर सकता। उन्होंने कलारिपयट्टू, तलवारबाजी और घुड़सवारी की ट्रेनिंग ली है। इसके बावजूद जो रिस्क उन्होंने उठाए, वो सिर्फ उनकी हिम्मत और जज्बे से संभव हुआ है। मैंने कई एक्टर्स के साथ काम किया है, लेकिन ऋषभ सिर्फ इतना नहीं कहते कि 'मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा', बल्कि वो कहते हैं 'मैं जब तक जिंदा हूं, मैं करूंगा।' यही स्पिरिट सबकुछ बदल देती है।" होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम की बात करें तो इसमें म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर इस फिल्म के विजुअल से लेकर इमोशनल नैरेटिव को खूबसूरती से आकर दिया है।इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चौप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। घ्यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़–खाबड़ इलाके में 45–50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है।यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग–अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी। फिल्म कंतारा चौप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

> "कंतारा चौप्टर १ के एक्शन-स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने बताया कि, "हमने ऋषभ के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बिना किसी मदद, खुद अपने स्टंट किए हैं। उनका बॉडी लैंग्वेज इतना अलग है कि कोई डुप्लीकेट कॉपी नहीं कर सकता। उन्होंने कलारिपयट्टू, तलवारबाजी और घुड़सवारी की ट्रेनिंग ली है। इसके बावजूद जो रिस्क उन्होंने उठाए, वो सिर्फ उनकी हिम्मत और जज्बे से संभव हुआ है। मैंने कई एक्टर्स के साथ काम किया है, लेकिन ऋषभ सिर्फ इतना नहीं कहते कि 'मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा', बल्कि वो कहते हैं 'मैं जब तक जिंदा हूं, मैं करूंगा।' यही स्पिरिट सबकुछ बदल देती है।"

अमिताभ बच्चन ने अनुराग कश्यप की फिल्म निशानची का ट्रेलर किया शेयर, भेजा प्यार भरा संदेश

निशानची साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें ऐश्वर्या ठाकरे और वेदिका पिंटो ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रशंसित फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने किया है, जो कई कल्ट क्लासिक फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। एक नई और होनहार जोड़ी और इस क्राइम ड्रामा में कश्यप की अपनी कच्ची और गंभीर कहानी कहने की शैली के साथ, फिल्म को लेकर चर्चाएँ बेकाबू हो गई हैं। हाल ही में रिलीज हुआ ट्रेलर सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है और दर्शकों, आलोचकों और यहाँ तक कि बॉलीवुड सितारों से भी सराहना बटोर रहा है। इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन ने अब निशाँची की टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए, बिग बी ने लिखा, मेरी शुभकामनाएँ। खुद मेगास्टार का आशीर्वाद इस बात का सबूत है कि फिल्म का ट्रेलर वाकई प्रभावशाली है।निशानची के ट्रेलर में ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वाँ भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन मूल्यों में जमीन–आसमान का फर्क है। 2000 के दशक की शुरुआत में उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर में स्थापित, यह फिल्म प्रेम, प्रतिद्वंद्विता और भावनाओं को एक्शन, रोमांस, ड्रामा और टकराव के साथ बुनती है, जो अनुराग कश्यप की कच्ची, गंभीर कहानी कहने की सशक्त वापसी को दर्शाती है। ऐश्वर्या ठाकरे के दमदार अभिनय करियर की शुरुआत के साथ, इस फिल्म में वे एक सशक्त दोहरी भूमिका में हैं, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। जार पिक्चर्स के बैनर तले अजय राय और रंजन सिंह द्वारा निर्मित और फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से निर्मित, निशानची का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है और इसे प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और खुद कश्यप ने लिखा है।

अनुष्का शेट्टी स्टारर घाटी ट्रेलर देख प्रभास ने जाहिर की उत्सुकता, टीम को दी शुभकामनाएं

डिजिटल पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास की वजह से क्राइम ड्रामा घाटी के इर्द–गिर्द चर्चा और तेज हो गई है। ऐसे में प्रोजेक्ट के लिए प्रभास द्वारा दिए गए संदेश ने सिर्फ ध्यान नहीं खींचा है, बल्कि बाहुबली की इस जोड़ी के बीच की बॉन्डिंग की वजह से इस प्रोजेक्ट के लिए उत्सुकता भी बढ़ा दी है। बता दें कि अनुष्का शेट्टी, जिन्हें प्यार से "स्वीटी" उनके करीबियों द्वारा कहा जाता है, वह इस हाई–ऑक्टेन एक्शन क्राइम ड्रामा में अहम भूमिका निभा रही हैं। सोशल मीडिया पर प्रभास ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए, अपनी लॉन्गटाइम को–स्टार और दोस्त अनुष्का शेट्टी के लिए एक दिल से लिखा संदेश पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है। "रुळींजप का ट्रेलर बहुत दमदार और दिलचस्प लग रहा है। इस शानदार रोल में तुम्हें देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता, स्वीटी। पूरी टीम को मेरी तरफ से बहुत–बहुत शुभकामनाएँ! घाटी को कृष जगरलामुडी ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म एक जबरदस्त सिनेमाई सफर का वादा करती है, जिसकी कहानी एक गंभीर और सच्ची दुनिया पर आधारित है। फिल्म में शानदार स्टार कास्ट है, जिसमें अनुष्का शेट्टी लीड रोल में हैं, वहीं उनके साथ विक्रम प्रभु, चौतन्य राव मडाडी, और अनुभवी एक्टर जगपति बाबू भी स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। प्रोडक्शन की बात करें तो घाटी को राजीव रेड्डी येदुगुरु और साई बाबू जगरलमुदि ने फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह यूवी क्रिएशन्स की पेशकश है, जिसे एक पावरहाउस प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन हाउस के रूप में जाना जाता है। बता दें कि इसे प्रभास ने प्रमोद उप्पलापति और वी. वामसिक्रिष्ण रेड्डी के साथ मिलकर स्थापित किया है। प्रभास के एंडोर्समेंट की वजह से घाटी के आसपास की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। फैंस बेसब्री से अनुष्का शेट्टी को उनके अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में देखने का इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर ने पहले ही ऑनलाइन धूम मचा दी है। ऐसे में जबरदस्त टीम के साथ घाटी इस साल की सबसे चर्चित तेलुगु फिल्मों में से एक बनने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उत्साह को और बढ़ाते हुए, बाहुबलीरू द एपिक के री–रिलीज में बाहुबली की सबसे पसंदीदा जोड़ी प्रभास और अनुष्का शेट्टी को बड़ी स्क्रीन पर फिर से साथ देखने मिलने वाला है। इस तरह से फैंस उनकी आइकॉनिक केमिस्ट्री को फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ के स्टारडम पर सवाल? बागी 4 की धीमी शुरुआत से मेकर्स की चिंता बढ़ी

टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म श्बागी 4श कल (5 सितंबर) सिनेमाघरों में रिलीज़ हो रही है। ए. हर्ष द्वारा निर्देशित, श्बागीश फ्रैंचाइज़ी की इस चौथी किस्त में संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज़ संधू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और इंडस्ट्री के ट्रेड एक्सपर्ट और निर्माता गिरीश जौहर ने जूम के साथ अपनी रिपोर्ट एक्सक्लूसिव तौर पर शेयर की है।

बागी 4 की एडवांस बुकिंग

सैकनिल्क के अनुसार, गुरुवार दोपहर 1 बजे तक, यानी बागी 4 की एडवांस बुकिंग बंद होने से 12 घंटे से भी कम समय पहले, फिल्म ने पूरे भारत में 1.27 लाख टिकट बेचे हैं, जिससे पहले दिन घ3 करोड़ की कमाई हुई है। ट्रेड ट्रैकर ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक ज़्यादातर बड़े शहरों में फिल्म की ऑक्यूपेंसी 4–7: रही, जो इस एक्शन थ्रिलर के लिए बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत को दर्शाता है। ट्रेड सूत्रों का कहना है कि विदेशों में और बाकी वीकेंड में भी एडवांस बुकिंग धीमी है, ज़्यादातर लोग टिकट बुक करने से पहले यह देखने का इंतज़ार कर रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया कैसी है। बागी 4 एक हिंसक एक्शन थ्रिलर और एक पुरानी सीक्वल होने के कारण, उम्मीद है कि इसका ओपनिंग वीकेंड धमाकेदार रहेगा, और उसके बाद हफ़्ते के दिनों में इसकी कमाई धीमी रहेगी। एक्शन से भरपूर इस फ़िल्म के लिए धीमी शुरुआत लंबे समय के लिए बुरी खबर होगी। अभी तक, बागी, घ्ववॉर 2 से पीछे है, जिसने पहले दिन ही प्री–सेल में घ20 करोड़ कमाए थे। इतनी ज़्यादा एडवांस बुकिंग के बावजूद वॉर 2 का बॉक्स ऑफिस पर कमज़ोर प्रदर्शन बागी 4 के लिए अच्छा संकेत नहीं है। टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त अभिनीत इस फ़िल्म के लिए मुश्किल यह है कि यह दो नए कलाकारों वाली रोमांटिक फ़िल्म सैयारा से भी पीछे है, जिसकी एडवांस बुकिंग ज़्यादा नहीं होनी चाहिए। अहान पांडे–अनीत पड्डा लॉन्च वाहन ने जुलाई में अग्रिम बुकिंग में घ9.40 करोड़ एकत्र किए, जिस तक पहुंचने के लिए बागी 4 को संघर्ष करना पड़ सकता है।

बागी 4 के बारे में

बागी 4 की बात करें तो, फिल्म के ट्रेलर ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया क्योंकि टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त, हरनाज़ संधू और सोनम बाजवा अपने दमदार लुक में नज़र आए। यह ज़बरदस्त एक्शन ड्रामा दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखने के लिए काफी है। बागी फ्रैंचाइज़ी की बात करें तो, पहली किस्त 2016 में रिलीज़ हुई थी, जिसमें टाइगर के साथ श्रद्धा कपूर थीं। यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही। 2018 में, निर्माताओं ने बागी 2 बनाई, जिसमें टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा पटानी, दर्शन कुमार और मनोज बाजपेयी थे। यह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। बागी 3 लॉकडाउन से पहले मार्च 2020 में रिलीज़ हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसलिए, निर्माताओं ने इसे तुरंत ओटीटी पर रिलीज़ कर दिया।

हरिद्वार के डिलीवरी बॉय के यूनिक वीडियो स्टाइल की फैन हुई प्रियंका चोपड़ा, कमेंट कर दी बधाई

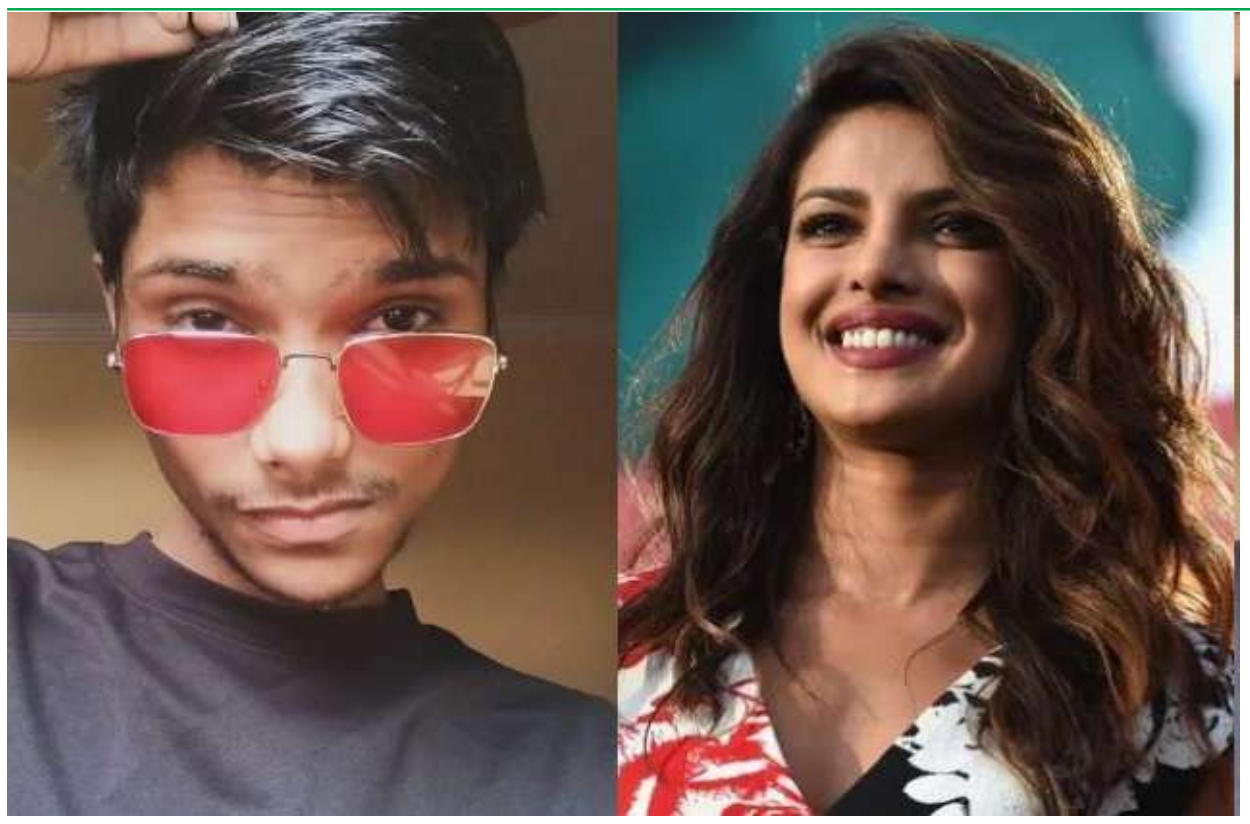

सोशल मीडिया पर हर दिन कोई ना कोई नया चेहरा सामने आता है, लेकिन कुछ लोग अपनी अलग और अनोखी स्टाइल से लोगों का खूब अटेंशन खींचते हैं। ऐसा ही एक नाम है बेंजामिन रायन गौतम का, जो हरिद्वार के हैं और पार्ट–टाइम ब्लिंकिट में डिलीवरी का काम करते हैं। बेंजामिन ने हाल ही में अपनी मजेदार और यूनिक वीडियो स्टाइल से इंस्टाग्राम पर धूम मचा दी है। खास बात तो ये है कि उनके इस वीडियो स्टाइल की एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भी फैन हो गई हैं। बेंजामिन की ज्यादातर वीडियो की शुरुआत एक स्टील के गिलास को हाथ में लेकर उनके फेमस डायलॉग "इट्स दिहाड़ी टाइम" से होती है। उनके इस अंदाज ने सोशल मीडिया यूजर्स के दिलों में खास जगह बना ली है। जहां दूसरे कंटेंट क्रिएटर्स अपने वीडियो में हाई–एंड ट्रांजिशन और प्रीमियम सेटअप का इस्तेमाल करते हैं, वहीं बेंजामिन का कंटेंट बेहद साधारण, मजेदार और सच्चाई से जुड़ा होता है। हाल ही में बेंजामिन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 1 लाख फॉलोअर्स पूरे हुए। इस खास मौके पर उन्होंने एक केक काटकर अपने फॉलोअर्स और भगवान का शुक्रिया अदा किया। इसी सेलिब्रेशन वीडियो को लोगों ने खूब पसंद किया। इसी बीच पर बॉलीवुड और हॉलीवुड सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस ने भी कमेंट किया और खुद को बेंजामिन का फैन बता डाला। प्रियंका ने कमेंट किया, बधाई हो... मैं तुम्हारी फैन हूं! प्रियंका के इस कमेंट के बाद बेंजामिन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने जवाब में लिखा दृष्कोई मुझे चुटकी काटो, ये कोई सपना तो नहीं। प्रियंका चोपड़ा मैम ने मुझे बधाई दी है। मैं आपको देखकर बड़ा हुआ हूं और अब मेरा मन खुशी के मारे चिल्ला रहा है। मैं आपको एडमायर करता हूं, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। बेंजामिन सिर्फ एक डिलीवरी बॉय नहीं हैं। वह एक कॉलेज स्टूडेंट हैं और पढ़ाई के साथ–साथ पार्ट–टाइम काम करते हैं। उनका सपना है कि वह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाएं। इंस्टाग्राम पर उनकी बायो में लिखा है दृ"चतमंकपदह श्रवल दक ळववक टपइमे" इसके साथ ही वह खुद को डांसर भी बताते हैं और कहते हैं कि वह अपने सपनों के पीछे दौड़ रहे हैं।

मेहमानों को खिलाएं कुछ नया, ये कुरकुरी भिंडी चाट जीत लेगी सबका दिल

भिंडी तो हम सभी के घरों में सब्जी के रूप में खाई जाती हैं। लेकिन आज हम आपको कुरकुरी भिंडी चाट रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस यूनिक भिंडी चाट को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

तीखा और चटपटा चाट खाना तो लगभग हर किसी को पसंद होता है। वहीं बारिश के मौसम में इसका मजा दोगुना हो जाता है। आमतौर पर हर मौसम में चाट लोगों को पसंद होती है। वहीं अधिकतर घरों में फ्रूट्स, आलू और स्प्राउट्स आदि चाट देखने को ज्यादा मिलती है। लेकिन हर बार एक जैसा स्वाद पाकर हम अक्सर बोर हो जाते हैं। जिसके बाद हम नई डिशेज की तलाश करने लगते हैं। जिसको खाने का मजा भी आए और मुंह का स्वाद भी बदल जाए।

ऐसे में अगर आपके घर में भी लोग चाट खाने के शौकीन हैं और आप अब तक कई तरीके की चाट का स्वाद चख चुकी हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन चाट रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस चाट को आप वीकेंड पर या फिर मेहमानों के आने पर फटाफट से बनाकर तैयार कर सकती हैं। भिंडी तो हम सभी के घरों में सब्जी के रूप में खाई जाती हैं। लेकिन आज हम आपको कुरकुरी भिंडी चाट रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस यूनिक भिंडी चाट को खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

सामग्री

बेसन– 200 ग्राम
दही– 1 बाउल
हींग– एक चुटकी
पालक– 250 ग्राम
सोया–100 ग्राम
जीरा– 1 चम्मच
लहसुन– 5–8 कली
राई– 1 चम्मच
अनार दाने– गार्निश के लिए
नमक– स्वादानुसार
तेल– फ्राई करने के लिए

कुरकुरी भिंडी चाट की रेसिपी

सबसे पहले पानी में नमक डालकर पालक को डाल दें।

फिर भिंडी को धोकर सुखा लें और बीच से दो भागों में लंबा काट लें।

एक ओर हरी मिर्च और लहसुन की कलियां कूट लें।

पालक ब्लांच हो जाने के बाद इसको निकालकर बर्फ के पानी में डाल दें।

बर्फ के पानी से पालक निकालने के बाद इसकी प्यूरी बना लें।

अब एक पैन में घी डालकर गर्म करें और उसमें लहसुन व हरी मिर्च का पेस्ट डाल दें।

इसमें बेसन, सोया, पालक की प्यूरी, काली मिर्च और नमक डालकर भूनें।

फिर पैन में राई, जीरा, सूखी लाल मिर्च, हींग और करी पत्ता तड़काकर दही में मिला दें।

बाउल में हींग और बेसन डालें, फिर पानी डालकर पतला घोल बनाकर उसमें कटी भिंडी डालकर मिक्स करें।

एक पैन में तेल डालकर उसको गर्म करके सभी भिंडी को उसमें क्रिस्पी होने तक फ्राई करें।

इसके बाद एक प्लेट में पालक वाली प्यूरी, उसके ऊपर फ्राई भिंडी, दही और अनार दाने डालकर गार्निश करके सर्व करें।

इस तरह से कुरकुरी और टेस्टी भिंडी चाट बनकर तैयार हो जाएगी।

बाबा वेंगा का असली नाम वेंजेलिया पांडेवा गुश्टेरोवा था। वे बचपन से ही नेत्रहीन थीं। उनका जन्म 31 जनवरी 1911 को हुआ था और 11 अगस्त 1996 को स्तन कैंसर के कारण उनका निधन हो गया। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन बुल्गारिया के बेलासिका पहाड़ों के रूपाइट क्षेत्र में बिताया। बचपन में ही उनकी मां का देहांत हो गया था और पिता प्रथम विश्व युद्ध में शामिल हो गए थे, जिस कारण उन्हें अपनी युवावस्था में पड़ोसियों और रिश्तेदारों के सहारे जीवन बिताना पड़ा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उनकी प्रसिद्धि तेजी से बढ़ी क्योंकि उनकी भविष्यवाणियां सच होने लगीं।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां जो सच हो चुकी हैं

सोवियत संघ का विघटन (1991)–बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि सोवियत संघ टूट जाएगा और यह 1991 में सच साबित हुआ।

9/11 आतंकी हमला (2001) – उन्होंने कहा था कि अमेरिका पर स्टील के दो पक्षी हमला करेंगे, जिसे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए 9/11 हमले से जोड़ा जाता है।

सुनामी और भूकंप (2004)–उन्होंने इंडोनेशिया और अन्य एशियाई देशों में एक विशाल सुनामी और भूकंप की भविष्यवाणी की थी, जो 2004 में आई।

बराक ओबामा का राष्ट्रपति बनना (2008)–उन्होंने कहा था कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति अफ्रीकी मूल का होगा, जो सच हुआ।

बाबा वेंगा की भविष्य की 10 बड़ी भविष्यवाणियां

2025 में दुनिया के अंत की शुरुआत

बाबा वेंगा के अनुसार, 2025 में ऐसी घटनाएं शुरू होंगी, जो दुनिया के अंत की ओर ले जाएंगी। इसका मतलब है कि इस साल से बड़ी विनाशकारी घटनाएं या संघर्ष शुरू हो सकते हैं, जो मानव इतिहास को पूरी तरह बदल सकते हैं।

5079 तक मानवता का अस्तित्व बना रहेगा

भले ही 2025 में दुनिया के अंत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, लेकिन बाबा वेंगा के अनुसार मानवता पूरी तरह 5079 तक खत्म नहीं होगी। इसका मतलब है कि इस लंबे समय के दौरान कई संघर्ष और चुनौतियां आएंगी, लेकिन किसी न किसी रूप में इंसानी सभ्यता बनी रहेगी।

यूरोप में बड़ा संघर्ष

बाबा वांगा की भविष्यवाणियों में से एक के अनुसार, यूरोप में एक बड़ा संघर्ष होने की संभावना है। उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि महाद्वीप को गंभीर राजनीतिक और सामाजिक उथल–पुथल का सामना करना पड़ेगा, जिससे वहां बड़ी अशांति फैल सकती है।

2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन

बाबा वांगा की भविष्यवाणी के अनुसार, 2043 तक यूरोप में मुस्लिम शासन स्थापित हो सकता है। उनका मानना था कि जनसंख्या और सांस्कृतिक बदलावों के कारण मुस्लिम समुदाय यूरोप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक शक्ति बन जाएगा।

2076 तक साम्यवादी शासन की वापसी

बाबा वांगा की भविष्यवाणी के अनुसार, 2076 तक दुनिया में साम्यवादी विचारधारा दोबारा मजबूत हो सकती है। यह सामूहिक शासन की ओर एक संभावित वैश्विक बदलाव का संकेत देती है। उनकी इस भविष्यवाणी से लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर आने वाली संभावित चुनौतियों को लेकर चिंता जताई जाती है।

5079 में प्राकृतिक आपदा से दुनिया का अंत

बाबा वांगा की अंतिम भविष्यवाणी के अनुसार, 5079 में एक बड़ी प्राकृतिक आपदा आएगी, जो दुनिया के अंत का कारण बनेगी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह किसी मानव निर्मित संकट के कारण नहीं होगा, बल्कि प्रकृति की एक शक्तिशाली घटना होगी, जिससे मानवता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

बाबा वेंगा की अन्य महत्वपूर्ण भविष्यवाणियां

चीन बनेगा विश्व की महाशक्तिः बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 तक चीन दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और सैन्य शक्ति बन जाएगा।

ऊर्जा संकट और भूखः उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि 2045 तक दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट और भोजन की कमी होगी, जिससे कई लोगों की जान जा सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदयः बाबा वेंगा ने कहा था कि 2030 तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इतनी शक्तिशाली हो जाएगी कि वह मनुष्यों पर नियंत्रण करने लगेगी।

मंगल ग्रह पर मानव बस्तीः उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि 2250 तक मनुष्य मंगल ग्रह पर बस्तियां बसा लेंगे और वहां जीवन संभव हो जाएगा।

बाबा वेंगा की ये भविष्यवाणियां आज भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। कुछ लोग इन्हें सिर्फ अंधविश्वास मानते हैं, जबकि कुछ का मानना है कि उनकी भविष्यवाणियों में सच्चाई है। आप क्या सोचते हैं?

बिना दवाओं के कंट्रोल करें कोलेस्ट्रॉल, हार्ट अटैक का खतरा भी रहेगा दूर

आजकल की अनहेल्दी जीवनशैली के कारण कोलेस्ट्रॉल की समस्या बहुत आम हो गई है। ज्यादातर लोग इसे कंट्रोल करने के लिए दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ आसान घरेलू उपाय और अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर आप बिना दवा के भी कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसेरू

स्वस्थ आहार लें

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए सबसे जरूरी है स्वस्थ आहार। अपनी डाइट में ओट्स, हरी सब्जियां, फल और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। ये सभी चीजें आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करते हैं और बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं।

तैलीय और जंक फूड से दूरी बनाएं

फास्ट फूड, डीप फ्राइड स्नैक्स और ज्यादा तेल वाली चीजें आपके शरीर में बुरे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती हैं। इनके सेवन को कम करें और इसकी जगह स्वस्थ वसा जैसे ऑलिव ऑयल, अखरोट, बादाम और अन्य ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें।

रोजाना व्यायाम करें

हर दिन कम से कम 30 मिनट की सैर, योगा या हल्की एक्सरसाइज जरूर करें। इससे आपके शरीर का संतुलन बना रहता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है। नियमित व्यायाम से आपका वजन भी नियंत्रित रहता है, जो कोलेस्ट्रॉल के लिए बहुत फायदेमंद है।

ग्रीन टी और हर्बल ड्रिंक का सेवन करें

ग्रीन टी, अदरक की चाय या नींबू–पानी जैसे हर्बल ड्रिंक आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करते हैं। रोजाना इनका सेवन करने से आप अपने कोलेस्ट्रॉल को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं।

धूम्रपान और शराब से बचें

सिगरेट और अल्कोहल का सेवन न केवल कोलेस्ट्रॉल बल्कि आपके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है। इन्हें छोड़कर आप अपने दिल की सेहत को बेहतर बना सकते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित रख सकते हैं।

अपने वजन पर नियंत्रण रखें

अधिक वजन और मोटापा कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने के मुख्य कारणों में से एक है। स्वस्थ आहार और सक्रिय जीवनशैली को अपनाकर अपने वजन को संतुलित रखें। इससे आपका कोलेस्ट्रॉल स्तर भी सामान्य रहेगा।

तनाव को कम करें

तनाव आपके दिल की सेहत को खराब करता है। ध्यान, संगीत सुनने या अपने शौक को पूरा करने जैसी गतिविधियों से आप अपने तनाव को कम कर सकते हैं। इससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम होता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी सामान्य रहता है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप बिना दवाओं के अपने कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं और हार्ट अटैक के खतरे को भी दूर कर सकते हैं। याद रखें, स्वस्थ जीवनशैली ही सबसे अच्छी दवा है।

भारतीय जर्सी को स्पॉन्सर करना अब और महंगा, बीसीसीआई ने बढ़ाई तय कीमत, 400+ करोड़ की कमाई का प्लान

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) टीम इंडिया के लिए नया स्पॉन्सर ढूंढने के लिए जोरआजमाइश कर रहा है। हालांकि, अब ऐसा करने वाली कंपनियों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई रिजर्व प्राइस को बढ़ाने जा रहा है। ड्रीम11 हाल ही में स्पॉन्सरशिप से पीछे हट गया था और उसने बीसीसीआई के साथ अपने करार को तोड़ लिया था। 2023 में बायजू को रिप्लेस करते हुए ड्रीम11 ने बीसीसीआई के साथ तीन साल का करार किया था। उस समय ड्रीम11 ने कुल 358 करोड़ रुपये का करार किया था, जिसमें घरेलू मैचों के लिए प्रति मुकाबला तीन करोड़ और विदेशी मैचों के लिए एक करोड़ रुपये तय थे। इंग्लैंड दौरे तक टीम इंडिया की जर्सी पर ड्रीम–11 का लोगो दिखाई देता था, लेकिन हाल ही में पारित श्ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025श के कारण कंपनी को अपने संचालन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उसने अनुबंध से बाहर निकलने का फैसला किया।

बीसीसीआई ने बढ़ाया रिजर्व प्राइस

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने नए स्पॉन्सर के लिए रिजर्व प्राइस बढ़ा दिया है। अब घरेलू सीरीज (द्विपक्षीय) के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपये और आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट्स जैसे बहुराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए लगभग 1.5 करोड़ रुपये रिजर्व प्राइस रखा गया है। पहले यह दरें कम थीं। पहले घरेलू सीरीज (द्विपक्षीय) के लिए प्रति मैच 3.17 करोड़ और आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट्स जैसे बहुराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए 1.12 करोड़ रुपये रिजर्व प्राइस रखा गया था। इसका मतलब है कि बीसीसीआई अब कम से कम 10 प्रतिशत ज्यादा कमाई द्विपक्षीय सीरीज से और लगभग तीन प्रतिशत ज्यादा कमाई बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स से करना चाहता है।

400 करोड़ से ज्यादा की कमाई का लक्ष्य

रिपोर्ट के मुताबिक, इस नए बेस प्राइस से बीसीसीआई को 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हो सकती है। हालांकि, यह आंकड़ा इससे भी कहीं ज्यादा

हो सकता है, क्योंकि स्पॉन्सरशिप के लिए प्रतिस्पर्धा हमेशा ऊंची रहती है। बीसीसीआई ने मंगलवार को राष्ट्रीय टीम के लीड स्पॉन्सर राइट्स के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया। इसके तहत बोली लगाने वाली कंपनियों को विस्तृत शर्तें और नियम उपलब्ध कराए जाएंगे। प्प्व डॉक्यूमेंट्स खरीदने की अंतिम तारीख 12 सितंबर रखी गई है। बोली लगाने के लिए दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख 16 सितंबर तय की गई है।

पांच लाख रुपये की नॉन–रिफंडेबल फीस

स्पॉन्सर बनने की इच्छुक कंपनियों को IEOI डॉक्यूमेंट खरीदने के लिए पांच लाख रुपये के साथ–साथ जीएसटी की नॉन–रिफंडेबल फीस देनी होगी। भुगतान की पुष्टि होने के बाद ही डॉक्यूमेंट्स शेयर किए जाएंगे। बीसीसीआई ने साफ किया है कि केवल डॉक्यूमेंट खरीदने से कोई कंपनी बोली लगाने की हकदार नहीं हो जाती। पात्रता मानकों को पूरा करना अनिवार्य होगा।

बीसीसीआई का विशेषाधिकार

बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि उसे किसी भी समय, किसी भी स्तर पर प्प्व प्रक्रिया को रद्द या संशोधित करने का अधिकार होगा। कुल मिलाकर, ड्रीम11 के बाहर होने के बाद बीसीसीआई ने स्पॉन्सरशिप की कीमत को बढ़ा दिया है। अब देखना होगा कि कौन सी कंपनी टीम इंडिया की नई जर्सी पर अपनी ब्रांडिंग दिखाने का बड़ा मौका हासिल करती है।

कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा, अश्विन–जडेजा और चहल–कुलदीप को लेकर मिश्रा का धोनी–कोहली पर तंज?

नई दिल्ली। भारत के स्टार लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। 42 साल के मिश्रा का अंतरराष्ट्रीय करियर हमेशा उतार–चढ़ाव से भरा रहा। उनके करियर को दो पड़ाव में बांटा जा सकता है। पहले हिस्से में उन्हें अनिल कुंबले जैसे दिग्गज की जगह भरने का दबाव झेलना पड़ा, जबकि दूसरे हिस्से में उन्हें रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव जैसी नई पीढ़ी के स्पिनरों से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। अब संन्यास के बाद उन्होंने कुछ ऐसा कहा है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। मिश्रा ने कहा कि कुछ खिलाड़ी कप्तानों के पसंदीदा होते हैं और इसी वजह से टीम में होते हैं। मिश्रा के इस बयान को फैंस अश्विन–जडेजा और कुलदीप–चहल से जोड़कर देख रहे हैं और इसे पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली पर तंज माना जा रहा है।

टीम से अंदर–बाहर होते रहना सबसे कठिन

मिश्रा ने टेस्ट क्रिकेट में 22 मैचों में घातक गेंदबाजी करते हुए 76 विकेट लिए। वह अपनी तेज लेग ब्रेक और घातक गुगली के लिए मशहूर थे। इसके बावजूद तीनों प्रारूपों में वह अक्सर तीसरे विकल्प बनकर रह गए। मिश्रा ने अपने संन्यास की घोषणा के बाद कहा कि भारतीय टीम में जगह पाना और उसे बनाए रखना उनके लिए बेहद कठिन रहा। उन्होंने कहा, श्कभी मैं टीम में होता था और कभी बाहर। कभी प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता था, कभी नहीं। यह निराशाजनक था और कई बार मैं बहुत हताश हुआ। लेकिन फिर मैं सोचता था कि मेरा सपना भारत के लिए खेलना है।श उन्होंने बताया कि इस मानसिक दबाव को दूर करने के लिए उन्होंने फिटनेस, बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया।

मिश्रा ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ बंगलूरू में खेला था, जो कि एक टी20 मैच था। उन्होंने उस मैच में 23 रन दिए थे और एक विकेट लिया था। हालांकि, उसी मैच में युजवेंद्र चहल ने छह विकेट झटक लिए और मिश्रा फिर कभी भारतीय टीम में वापसी नहीं कर पाए। हालांकि, मिश्रा ने आईपीएल में जलवा बिखेरना जारी रखा, जहां उन्होंने 162 मैचों में 174 विकेट लिए। उनके नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन हैट्रिक दर्ज हैं। मिश्रा मानते हैं कि 2008 आईपीएल में हैट्रिक उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। उन्होंने कहा, श2008 में हैट्रिक और पांच विकेट लेने के बाद मेरा भारतीय टीम में फिर से चयन हुआ। इससे पहले मैं घरेलू क्रिकेट में लगातार 35–45 विकेट ले रहा था, लेकिन चयन नहीं हो रहा था। आईपीएल ने सब कुछ बदल दिया। उस आईपीएल हैट्रिक ने मेरे लिए चीजें बदल दीं।

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाएं छात्र और शिक्षकः प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को शिक्षकों एवं छात्रों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने और 'मेक इन इंडिया' एवं 'वोकल फॉर लोकल' पहल को तेज करने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आमतौर पर शिक्षक अपने छात्रों को 'होमवर्क' देते हैं, लेकिन वह बदलाव के लिए शिक्षकों को एक 'होमवर्क' देना चाहते हैं ताकि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि स्कूलों को स्वदेशी दिवस या स्वदेशी सप्ताह जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं आपको स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाने का एक गृहकार्य दे सकता हूं। छात्रों को घर से स्वदेशी उत्पाद लेकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फिर उन पर चर्चा हो। छात्र स्वदेशी उत्पादों के समर्थन वाले पोस्टर लेकर गांवों में मार्च भी निकाल सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से एक माहौल बनेगा और लोग मेड इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने प्रत्येक घर और दुकान के बाहर स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी वाले पोस्टर लगाने के सुझाव भी दिए। मोदी ने कहा, "हर घर और दुकान के बाहर 'हर घर स्वदेशी' के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों की श्रृंखला थमने वाली नहीं है।" उन्होंने कहा, ''स्वदेशी यानी जो कुछ भी हमारे देश में पैदा होता है, जो हमारे देश में बनता है, वे चीजें जिसमें मेरे देशवासियों के पसीने की महक है, वे चीजें जिसमें मेरे देश की मिट्टी की सुगंध है, वो मेरे लिए स्वदेशी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''स्कूलों में हम ऐसे कई दिवस मनाते हैं, स्वदेशी दिवस भी मनाएं, स्वदेशी सप्ताह भी मनाएं...यानी हम एक अभियान के रूप में इन चीजों को अगर चलाएं, आप इसका नेतृत्व करें।

रुपया 10 पैसे टूटकर 88.12 प्रति डॉलर पर बंद

विदेशी कोषों की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 10 पैसे की गिरावट के साथ 88.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि रुपये में तेज गिरावट पर रोक लगा दी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.09 पर खुला। दिन में 87.85 से 88.19 प्रति डॉलर के दायरे में कारोबार करने के बाद अंत में यह 88.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की तेजी के साथ 88.02 पर बंद हुआ था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, '' सुबह में बढ़त के बाद रुपये में गिरावट आई क्योंकि शेयर बाजार अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख पाए, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने ऊंचे स्तर पर डॉलर बेचे...'' उन्होंने कहा, '' अमेरिकी शुल्क की चिंताएं और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी रुपये की धारणा पर लगातार दबाव बना रही है, जिससे रुपये में छिटपुट बढ़त के अलावा कोई सुधार नहीं दिख रहा है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में संशोधन के कारण सुबह–सुबह इसमें मामूली सुधार हुआ।'' भंसाली ने कहा कि स्थानीय मुद्रा के 87.80 से 88.50 के बीच कारोबार करने का अनुमान है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.21 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स 150.30 अंक की बढ़त के साथ 80,718.01 अंक पर और निफ्टी 19.25 अंक चढ़कर 24,734.30 अंक पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.88 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 106.34 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

GST सुधारों से बढ़ेगी खपत, बढ़ेगी आय! सीतारमण बोलीं– मध्यम वर्ग का हित सर्वोपरि

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को घोषणा की कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी कर सुधारों का लाभ देश के सभी आम लोगों तक पहुँचे। इंडिया टुडे टीवी और आज तक के साथ एक साक्षात्कार में, मंत्री ने उल्लेख किया कि 22 सितंबर के बाद सरकार के पास बहुत काम है और विश्वास व्यक्त किया कि जीएसटी सुधारों का लाभ आम लोगों तक पहुँचेगा। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा मुख्य ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि दरों में कटौती का लाभ जनता तक पहुँचे। 22 सितंबर के बाद हमारे पास बहुत काम है। यह एक बड़ी सतर्कता प्रक्रिया है और हमें विश्वास है कि इसका लाभ आम आदमी तक पहुँचेगा। सीतारमण ने ज़ोर देकर कहा कि नए जीएसटी सुधार देश के मध्यम वर्ग और आम आदमी की बुनियादी ज़रूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 90 प्रतिशत वस्तुएँ पाँच प्रतिशत या उससे कम कर स्लैब में आती हैं, जबकि केवल एक प्रतिशत वस्तुएँ ही 40 प्रतिशत कर दर को छूती हैं। सीतारमण ने कहा कि आम आदमी और मध्यम वर्ग, उनकी बुनियादी ज़रूरतें और आकांक्षाएँ जीएसटी सुधारों का मुख्य केंद्र हैं। 99 प्रतिशत वस्तुएँ अब 5: या उससे कम कर श्रेणी में हैं। केवल एक प्रतिशत ही 40: कर श्रेणी में आई हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और बीमा कंपनियों सहित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सरकार को जीएसटी सुधारों को लागू करने में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, ष्अगर कोई कंपनी इसके विपरीत कहती है, तो हम उनसे बात करेंगे। खपत बढ़ेगी और आय भी बढ़ेगी।ष कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, सीतारमण ने कहा कि वे जीएसटी 2.0 सुधारों का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे उन्होंने कभी ''गब्बर सिंह टैक्स'' कहा था।

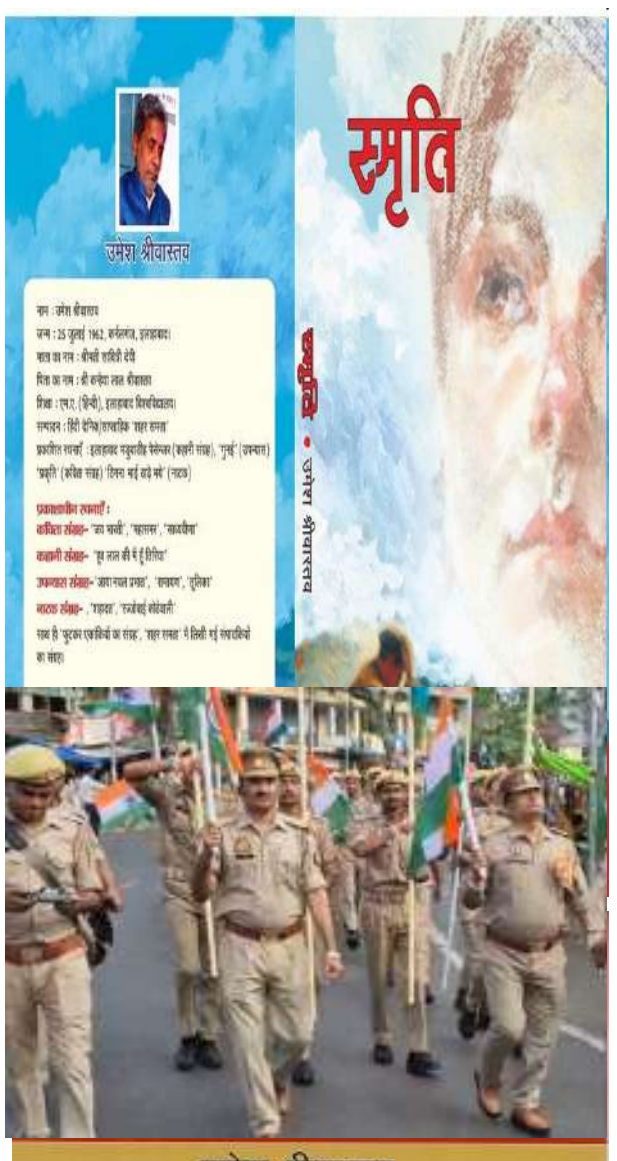

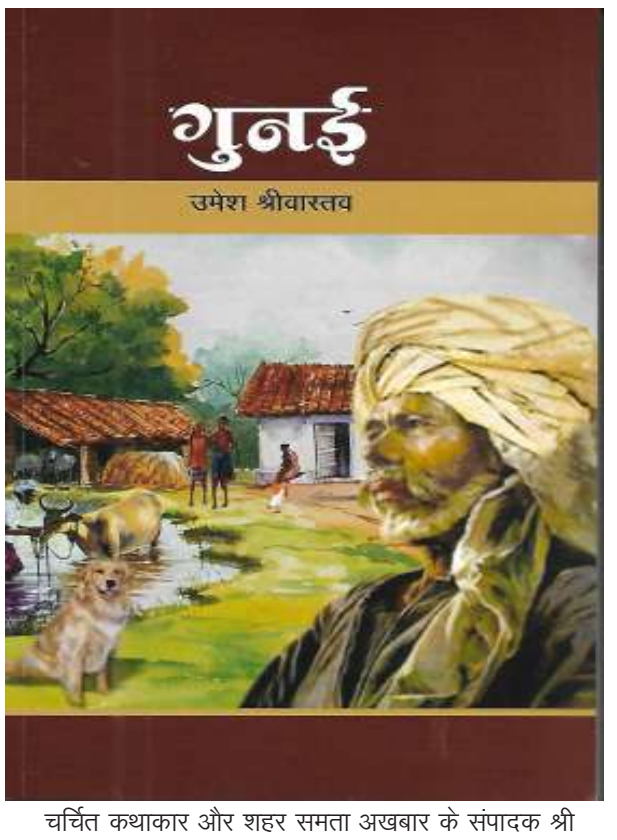

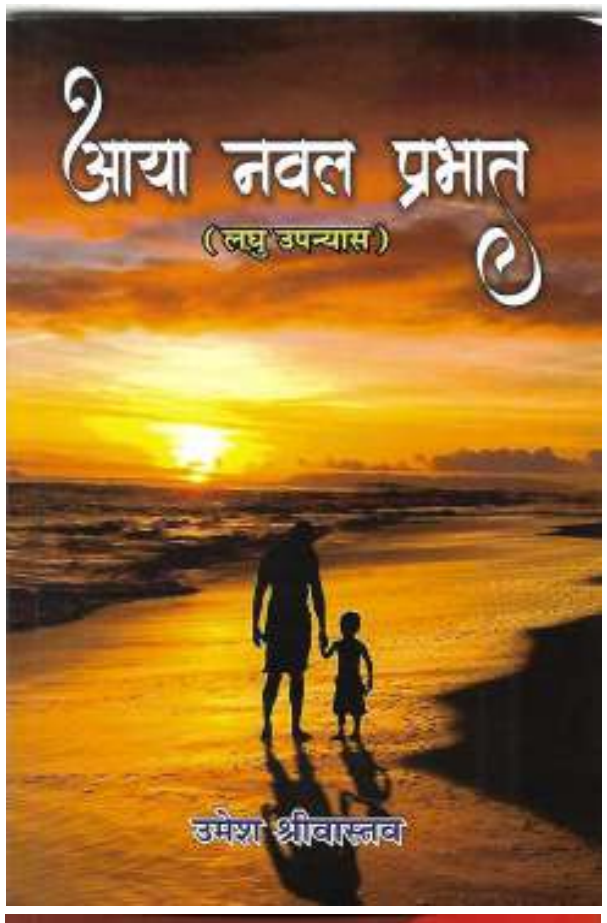

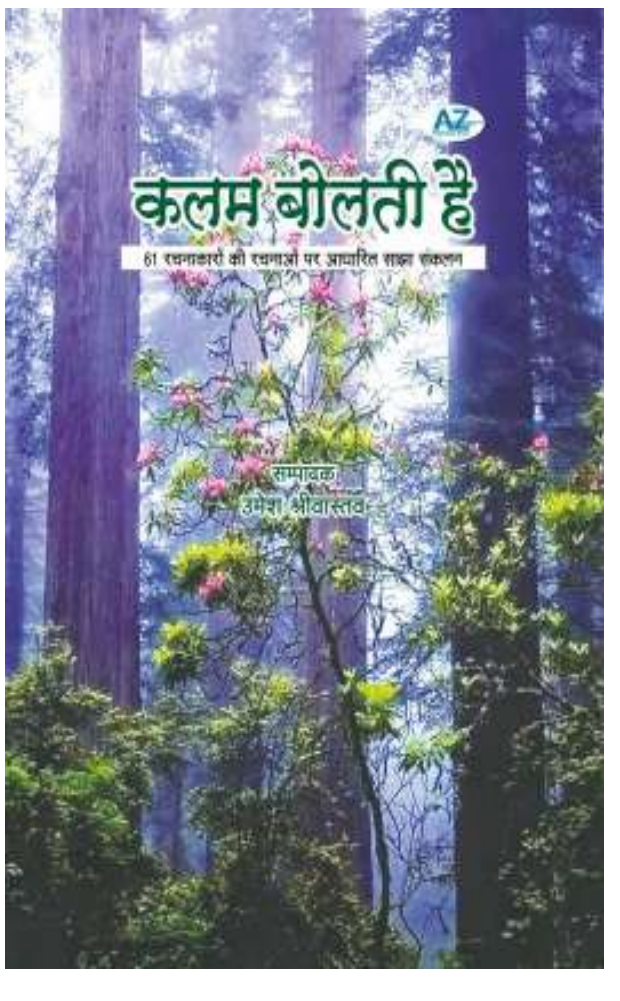

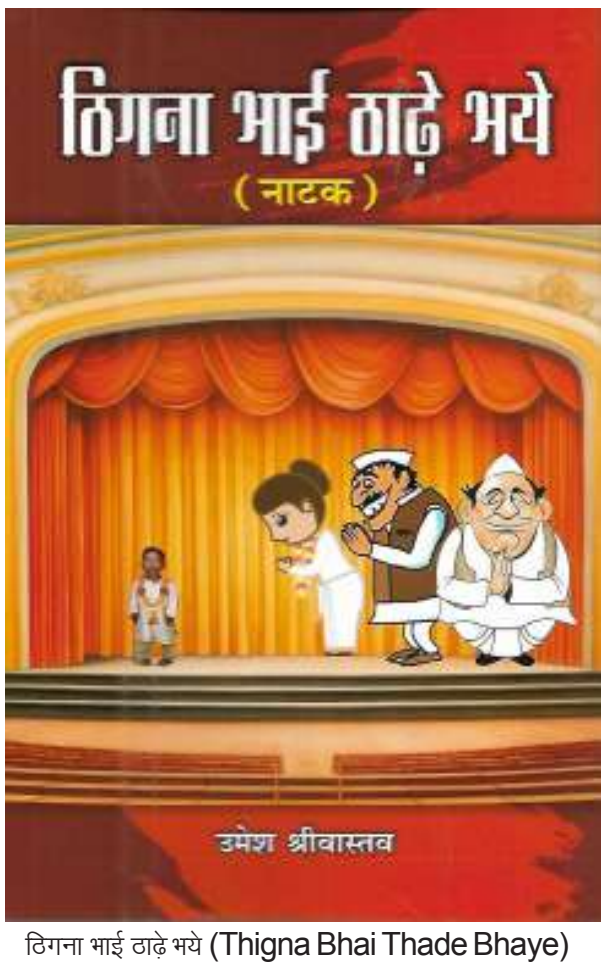

संक्षिप्त

चीन ने किया रूसी लोगों के लिए वीजा फ्री एंट्री ऐलान, पुतिन बोले- Same Here

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को व्लादिवोस्तोक में एक आर्थिक मंच पर कहा कि रूस, रूसियों के लिए यात्रा नियमों को आसान बनाने के बीजिंग के हालिया कदम के जवाब में चीनी नागरिकों के लिए वीज़ा–मुक्त प्रवेश शुरू करेगा। चीन ने पहले घोषणा की थी कि वह 15 सितंबर से एक वर्ष के लिए

परीक्षण के आधार पर आम रूसी पासपोर्ट धारकों को वीज़ा–मुक्त प्रवेश की अनुमति देगा, जिसमें 30 दिनों तक ठहरने की अनुमति होगी। रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और चीनी विजय परेड के लिए चीन में मौजूद पुतिन ने कहा कि रूस चीनी नागरिकों के लिए वीजा–मुक्त व्यवस्था भी लागू करेगा। उन्होंने यह टिप्पणी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति के उपाध्यक्ष ली होंगझोंग के साथ एक बैठक में की। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि वह रूस के आम पासपोर्ट धारकों को वीज़ा–मुक्त यात्रा की सुविधा देगा। यह कदम दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठकों के बाद उठाया गया है। यह वीज़ा छूट 15 सितंबर से एक साल के लिए लागू होगी, जिसमें चीन में प्रवेश की अधिकतम अवधि 30 दिन होगी। पुतिन ने सीपीसी सदस्य के साथ बैठक में कहा कि बेशक, रूस इस दोस्ताना व्यवहार का जवाब देगा। हम भी ऐसा ही करेंगे। संगठित पर्यटक समूहों के लिए वीज़ा–मुक्त यात्रा प्रणाली पर चीन और रूस के बीच एक द्विपक्षीय समझौता पहले से ही लागू है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के केवल मान्यता प्राप्त ऑपरेटर ही पर्यटन का आयोजन कर सकते हैं, और समूहों में कम से कम पाँच और अधिकतम 50 लोग होने चाहिए। जो की रिपोर्ट में बताया गया है कि चीनी पर्यटक नियमित या इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा पर रूस आते हैं। मॉस्को ने अगस्त 2023 में इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा की शुरुआत की, जिसके धारक को देश में 30 दिनों तक रहने का अधिकार मिलता है। इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा कुछ ही दिनों में प्राप्त किया जा सकता है और इसकी लागत लगभग 40–50 डॉलर होती है।

जेलेंस्की के बाद क्या पुतिन से फिर बात करेंगे? ट्रंप ने दिया ये जवाब

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष साढ़े तीन साल से अधिक समय से जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शांति बहाली के प्रयास कर रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में उन्होंने व्हाइट हाउस में टेक लीडर्स डिनर के दौरान रूसी समकक्ष से एक और मुलाकात के संकेत दिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की से बातचीत के बाद जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी बात करेंगे? इस पर ट्रंप ने कहा, श्हां, हमारा बहुत अच्छा संवाद हो रहा है।श रिपोर्ट्स के मुताबिक डिनर के दौरान ट्रंप अपनी पत्नी और अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी– मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के बीच बैठे थे। मेलानिया ने नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एजुकेशन टास्क फोर्स को लेकर हुई बैठक की अध्यक्षता की।

मोरक्को : नारीवादी कार्यकर्ता को ईशनिंदा में ढाई साल जेल

मोरक्को की एक अदालत ने प्रख्यात नारीवादी और एलजीबीटीक्यू अधिकार कार्यकर्ता इब्तिस्साम लश्गार को ईशनिंदा का दोषी ठहराते हुए ढाई साल की कैद और 5,000 डॉलर का जुर्माना सुनाया है। फैसले ने मोरक्को में बहस छेड़ दी है। जहां कुछ लोग इसे सही मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा बता रहे हैं। लश्गार पर आरोप था कि उन्होंने ऐसी टी–शर्ट पहनकर सेल्फी साझा की, जिस पर लिखे संदेश को इस्लाम व राजशाही का अपमान माना गया।

ट्रंप की अमेरिकी कांग्रेस पर और मजबूत हुई पकड़

ग्रीष्मकालीन अवकाश के अंतिम दिनों में रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति के मुख्यालय में सभी स्टाफ सदस्यों की बैठक हुई। यह सिर्फ सामान्य सियासी रणनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कांग्रेस पर गहरी पकड़ का प्रदर्शन था। ट्रंप की राजनीतिक टीम ने रिपब्लिकन स्टाफ को सुबह वन ब्यूटीफुल बिल एक्ट व आगामी मध्यावधि चुनाव के मुद्दे पर बैठक में बुलाया। इस बैठक में रिपब्लिकन बहुमत (सांसद) एक शक्तिशाली कार्यपालिका के इशारों पर चलता दिखाई दिया। बैठक में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट, पोलस्टर टोनी फैब्रीजियो और राजनीतिक निदेशक जेम्स ब्लेयर जैसे नेता भी शामिल रहे।

भारत संग सहयोग नहीं किया तो हम हार जाएंगे : फिनलैंड

फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि यूरोप और पश्चिम को अपनी विदेश नीति में गरिमापूर्ण और सहकारी दृष्टिकोण अपनाना होगा, अन्यथा वैश्विक प्रभाव खोने का जोखिम उठाना पड़ेगा। उन्होंने लिथुआनियाई राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा के साथ साझा प्रेसवार्ता में कहा, एससीओ शिखर सम्मेलन पश्चिम को वैश्विक दक्षिण की ताकत भी बताता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

ट्रंप ने 10प्रतिशत टैरिफ घटाने वाले आदेश पर किया साइन, भारत को भी मिलेगी बड़ी राहत ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियाभर में टैरिफ बम फोड़कर सभी को बेचौन कर दिया। लेकिन ट्रंप अब इसी अपने फैसले को लेकर यू–टर्न लेते नजर आ रहे हैं। अपने ही देश में घिर चुके डोनाल्ड ट्रंप अब धीरे धीरे अपने फैसले से पीछे हट रहे हैं। हालांकि ट्रंप वजह अपनी दे रहे हैं। लेकिन फिर भी पूरी दुनिया के सामने इसे यू टर्न ही माना जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान को लेकर बड़ा ऐलान किया है। जिस बीच भारत और जापान एक दूसरे के और करीब आ रहे थे। अपनी साझेदारी को बढ़ा रहे थे। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान पर लगाए गए टैरिफ को घटा दिया है। जानकारी के अनुसार अमेरिका और जापान के बीच व्यापार समझौता हुआ है। जिसके लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस समझौते को ट्रंप ने अमेरिका जापान व्यापार संबंधों के एक नए युग की शुरुआत बताया है। ट्रंप ने अपने आदेश में अमेरिका में आने वाले करीब सभी जापानी आयातों पर 15 फीसदी का बेस लाइन टैरिफ लगाया गया है। जबकि ऑटोमोबाइल और ऑटोपार्ट्स, एयरोस्पेस उत्पाद, जेनरिक दवाएं, घरेलू स्तर पर उपलब्ध न होने वाले प्राकृतिक संसाधनों को सेक्टर स्पेसिफिक छूट दी गई है। यानी जापान को बड़ी राहत इस समय अमेरिका ने दी है। वो अमेरिका जिसने कुछ ही दिनों पहले जापान पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया था। बता दें कि शुरुआती दौर में राष्ट्रपति ट्रंप ने जापान और साउथ कोरिया पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। हालांकि भारत पर जापान और साउथ कोरिया की तरफ 25 फीसदी टैरिफ के अलावा अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी लगाया गया है क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदता है। लेकिन जो बेस लाइन टैरिफ है वो जापान और साउथ कोरिया की ही तरह 25 फीसदी था। बीच में ट्रेड डील पर अमेरिका और जापान के बीच बात अटक गई थी। लेकिन अब दोनों देशों के बीच ट्रेड डील हो गई है। व्हाइट हाउस द्वारा प्रकाशित कार्यकारी आदेश के अनुसार, जापानी ऑटोमोबाइल पर मौजूदा 27.5 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जबकि कई अन्य वस्तुओं पर भी टैरिफ की सीमा 15 प्रतिशत ही रहेगी। यह परिणाम जापान के लिए एक जीत है, क्योंकि टोक्यो के टैरिफ दूत गुरुवार को वाशिंगटन गए थे ताकि ट्रम्प पर इन बदलावों के दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया जा सके। दोनों पक्षों द्वारा समझौते की घोषणा के कुछ हफ़्ते बाद। हालाँकि दोनों देशों ने जुलाई के अंत में एक व्यापार समझौते का अनावरण किया था, लेकिन इसके विवरण अलग–अलग प्रतीत हुए। जब ट्रम्प ने अगस्त की शुरुआत में जापान पर उच्च शुल्क लागू किए – दर्जनों अर्थव्यवस्थाओं को लक्षित करने की एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में – तो उनकी 15 प्रतिशत की दर कई उत्पादों के लिए मौजूदा स्तरों पर लागू हो गई। जापान के टैरिफ दूत रयोसेई अकाज़ावा ने पहले संवाददाताओं को बताया था कि वाशिंगटन द्वारा इस नियम में संशोधन किए जाने की उम्मीद है। कार्यकारी आदेश के अनुसार, यह समझौता अमेरिकी उत्पादकों के लिए समान अवसर प्रदान करता है, राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखता है, अमेरिकी निर्यात और निवेश–आधारित उत्पादन का विस्तार करता है, और जापान के साथ व्यापार घाटे को कम करने में मदद करता है। ये बदलाव संघीय रजिस्टर में प्रकाशित होने के सात दिनों के भीतर प्रभावी हो जाएँगे। यह हस्ताक्षर जापान के प्रमुख वार्ताकार, रयोसेई अकाज़ावा के वार्ता के एक और दौर के लिए वाशिंगटन आगमन के साथ हुआ। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब जापान के प्रमुख व्यापार वार्ताकार, अकाज़ावा रयोसेई, वार्ता के एक नए दौर के लिए गुरुवार को तीन दिवसीय वाशिंगटन यात्रा पर रवाना हुए।

`ट्रंप की नीतियों ने भारत को रूस–चीन के करीब धकेला, ट्रंप–मोदी दोस्ती इतिहास बनी'

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोल्टन का तीखा बयान

एक चौंकाने वाले खुलासे में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध अब अतीत की बात हो गए हैं। बोल्टन ने स्पष्ट रूप से कहा, ''ट्रंप के मोदी के साथ व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छे संबंध थे। मुझे लगता है कि अब वह खत्म हो गया है, और यह सभी के लिए एक सबक है।'' उन्होंने कभी मज़बूत रही कूटनीतिक साझेदारी में दरार का संकेत दिया। बोल्टन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ट्रंप के 50: टैरिफ और व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा नई दिल्ली के मास्को के साथ ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर छिटपुट हमलों के कारण हाल के हफ्तों में भारत–अमेरिका संबंधों में मुश्किलें आई हैं। ट्रंप ने अमेरिका में भारतीय आयात पर 50: शुल्क लगाया है, इसे रूस पर कार्रवाई और यूक्रेन में व्लादिमीर पुतिन के युद्ध का नाम दिया है। बोल्टन की यह टिप्पणी भारत–अमेरिका संबंधों में तनावपूर्ण दौर में आई है। ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जबकि मोदी को व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ बीजिंग में देखा गया है, जो नई दिल्ली की बदलती प्राथमिकताओं का संकेत है। ट्रंप के पूर्व सहयोगी, जो अब लगातार आलोचक बन गए हैं, ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति विदेश नीति को व्यक्तिगत संबंधों के संकीर्ण चश्मे से देखते हैं। बोल्टन ने कहा, मुझे लगता है कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नेताओं के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों के चश्मे से देखते हैं। इसलिए, अगर उनके व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छे संबंध हैं, तो अमेरिका के रूस के साथ भी अच्छे संबंध हैं। ज़ाहिर है, ऐसा नहीं है। बोल्टन की चेतावनी से पता चलता है कि मोदी और ट्रंप के बीच बहुप्रचारित भाईचारा, जो कभी ह्यूस्टन की हाउडी मोदी रैली से लेकर राजकीय यात्राओं तक सुर्खियों में रहा था, अब एक गतिरोध पर पहुँच गया है। बोल्टन, जो अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 तक ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे, अक्सर पूर्व राष्ट्रपति की विदेश नीति के बारे में अपने विचार व्यक्त करते रहे हैं। अगस्त में, ट्रंप द्वारा नियुक्त एफबीआई निदेशक काश पटेल के आदेश पर संघीय एजेंटों ने बोल्टन के घर पर छापा मारा था। बोल्टन ने ब्रिटेन के कीर स्टारमर समेत अन्य नेताओं को भी चेतावनी देते हुए कहा, ट्रंप के साथ मज़बूत व्यक्तिगत संबंध अस्थायी लाभ तो दे सकते हैं, लेकिन अंततः यह आपको उनके सबसे बुरे फ़ैसलों से नहीं बचा पाएगा। एक्स से बातचीत में बोल्टन ने कहा कि व्हाइट हाउस ने अमेरिका–भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के क़रीब आ गए हैं। बीजिंग ने खुद को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में ट्रंप के भारत के साथ व्यवहार ने अमेरिका के उन द्विदलीय प्रयासों पर पानी फेर दिया है, जो नई दिल्ली को मॉस्को के साथ शीत युद्ध के गठबंधन से दूर करने और भारतीय नेताओं को चीन को अपने मुख्य सुरक्षा ख़तरे के रूप में देखने के लिए प्रेरित करने के वर्षों से चल रहे थे। उन्होंने कहा, यह स्थिति उलट गई है। मुझे लगता है कि इसे फिर से उलटा जा सकता है, लेकिन यह बहुत बुरा दौर है। गोपनीय सामग्री के कथित दुरुपयोग की जाँच को लेकर हाल ही में एफबीआई ने बोल्टन के मैरीलैंड आवास और वाशिंगटन कार्यालय पर छापा मारा था। ट्रम्प का नाम लिए बिना, पीएम मोदी ने संसद में कहा था कि "किसी भी विश्व नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए नहीं कहा था", इस प्रकार उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के मध्यस्थता के दावों का खंडन किया, जिन्होंने कई अवसरों पर कहा था कि उन्होंने मई में भारत–पाकिस्तान युद्ध को रोक दिया था।

अच्छे पड़ोसी, अच्छे दोस्त और अच्छे साथी...किम का दुनिया को सीधा संदेश, सामने कोई भी हो चीन के साथ मजबूती से खड़ा है उत्तर कोरिया

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बीच इस हफ़्ते की शुरुआत में चीन के विक्ट्री डे परेड के दौरान दोस्ती साफ़ दिखाई दी। अब, किम ने शी से कहा है कि प्योंगयांग चीनी संप्रभुता, क्षेत्र और विकास हितों की रक्षा में

बीजिंग के साथ खड़ा रहेगा। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने गुरुवार को बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान शी से कहा कि अंतरराष्ट्रीय हालात चाहे कितने भी बदल जाएँ, उत्तर कोरिया और चीन के बीच दोस्ती की भावना नहीं बदल सकती। शी ने किम से कहा कि चीन और उत्तर कोरिया की नियति एक है और वे अच्छे पड़ोसी, अच्छे दोस्त और अच्छे साथी हैं। केसीएनए के अनुसार, नेताओं ने रणनीतिक सहयोग को मज़बूत करने, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर साझा हितों की रक्षा करने, दोनों देशों के उच्च पदस्थ अधिकारियों के बीच और अधिक दौरे आयोजित करने और रणनीतिक संचार पर चर्चा की। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, किम की चीन यात्रा ष्एक ऐतिहासिक अवसर था जिसने दोनों देशों के बीच राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक सहयोग को और मज़बूत किया। सरकारी मीडिया ने कहा कि यह ष्डीपीआरके–चीन मैत्रीपूर्ण संबंधों की अपरिवर्तनीयता और अजेयता का प्रमाण था जिसने... सभी प्रकार की चुनौतियों और चुनौतियों को पार किया। चीनी के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने अपनी एक खबर में कहा कि शी ने चीन और उत्तर कोरिया के बीच पारंपरिक मित्रता पर ज़ोर दिया और संबंधों को मज़बूत करने और इन्हें आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जिनपिंग ने ग्रे सूट पहन कर कौन–सा प्रतीकात्मक संदेश दिया है ?

बीजिंग के तियानआनमेन चौक पर आयोजित भव्य परेड में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की उपस्थिति जितनी राजनीतिक थी, उतनी ही प्रतीकात्मक भी। इस पूरे आयोजन में सबसे ज्यादा चर्चा उनके परिधान ने बटोरी। हम आपको बता दें कि माओ त्से तुंग शैली का ग्रे सूट, जो न केवल उनके सफेद हो रहे बालों से मेल खा रहा था, बल्कि बीते दशक में उनके द्वारा पहने गए पारंपरिक काले सूट से बिल्कुल अलग था। इस सूट का चुनाव मात्र फैशन नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित संदेश था। माओ की वर्दी चीन में क्रांति, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक रही है। शी जिनपिंग, जो अब तीसरे कार्यकाल में हैं और खुद को माओ के बाद का सबसे शक्तिशाली नेता साबित करना चाहते हैं, उन्होंने इसी परंपरा को पुनर्जीवित कर जनता और पार्टी को यह संकेत दिया है कि वह न केवल वर्तमान का नेतृत्व कर रहे हैं, बल्कि अतीत की क्रांतिकारी विरासत के उत्तराधिकारी भी हैं। यह परिधान उस राजनीतिक कथा को भी मजबूत करता है जिसे शी लगातार गढ़ते आ रहे हैं। शी कहते रहे हैं कि चीन की शक्ति पश्चिमी लोकतांत्रिक मूल्यों में नहीं, बल्कि अपनी समाजवादी परंपरा और राष्ट्रवादी गौरव में निहित है। इसके अलावा, आर्थिक सुस्ती और सामाजिक असंतोष के दौर में जनता को यह संदेश देना कि ष्हम माओ की राह पर

हैंष, एक तरह से राष्ट्रवाद की चादर ओढ़ाकर असंतोष को दबाने की कोशिश है। साथ ही, इस पोशाक का चुनाव अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक संदेश देता है। जब पुतिन और किम जैसे नेता आधुनिक काले सूटों में दिखाई दिए, तब शी का ग्रे सूट यह जताता रहा कि चीन किसी पश्चिमी प्रारूप को अपनाने वाला नहीं है, बल्कि अपनी अलग पहचान के साथ खड़ा है। यह चीन की 'सभ्यतागत आत्मनिर्भरता' की अवधारणा को और सशक्त करता है। लेकिन यह प्रतीकवाद एक सवाल भी उठाता हैरू क्या केवल माओ की पोशाक पहन लेना शी को माओ जैसा ऐतिहासिक दर्जा दिला देगा? माओ का समय क्रांति और उथल–पुथल का था, जबकि आज का चीन वैश्विक व्यापार, तकनीक और कूटनीति के जाल में बंधा हुआ है। ऐसे में यह परिधान अतीत की गूँज तो है, परंतु वर्तमान की चुनौतियों के समाधान का विकल्प नहीं। इसलिए शी जिनपिंग का यह सूट जनता और विश्व के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि वह स्वयं को चीन की निरंतरता, क्रांतिकारी विरासत और भविष्य की शक्ति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह प्रतीकवाद वास्तविक आर्थिक और सामाजिक संकटों से ध्यान भटका पाएगा, या फिर इतिहास इस पोशाक को केवल एक राजनीतिक नाटकीयता के रूप में दर्ज करेगा। वहीं बीजिंग के तियानआनमेन चौक पर आयोजित द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ की परेड को देखें तो यह महज़ एक औपचारिक आयोजन नहीं था। यह चीन की कूटनीतिक शक्ति, भू–राजनीतिक महत्वाकांक्षा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की व्यक्तिगत छवि का सुनियोजित प्रदर्शन था। हम आपको याद दिला दें कि दस वर्ष पहले 2015 में, शी ने अपने पूर्ववर्तियों को साथ खड़ा कर सम्मान और निरंतरता का संदेश दिया था। परंतु इस बार तस्वीर अलग थीकृ शी जिनपिंग के बगल में रूस के व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के किम जोंग उन मौजूद थे। यह दृश्य न केवल चीन के रणनीतिक गठजोड़ का प्रतीक था, बल्कि पश्चिमी देशों–विशेषकर अमेरिका के प्रति एक स्पष्ट संकेत भी था। हम आपको बता दें कि शी जिनपिंग ने अपने शासनकाल में घरेलू विरोध को पूरी तरह समाप्त कर लिया है और अब वह तीसरे कार्यकाल में हैं। आर्थिक मंदी, बेरोज़गारी, गिरती अचल संपत्ति कीमतें और ठहरे हुए वेतन से उत्पन्न असंतोष को वह राष्ट्रवाद और कूटनीतिक आक्रामकता से ढकने की कोशिश कर रहे हैं। यही कारण है कि हाल ही में एससीओ सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात और तिब्बत की यात्रा जैसे कदमों को व्यापक भू–राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। दिलचस्प यह भी रहा कि शी और पुतिन की बातचीत का एक अंश सार्वजनिक हो गया जिसमें वह दीर्घायु और अंग प्रत्यारोपण की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। यह दृश्य प्रतीकात्मक था क्योंकि जहां एक ओर दुनिया में असुरक्षा और संघर्ष बढ़ रहा है, वहीं महाशक्तियों के नेता अपने दीर्घकालीन प्रभुत्व को लेकर आश्वस्त दिखना चाहते हैं। शी ने अपने सहयोगियों की भूमिकाएँ भी सीमित कर दी हैं। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ली क़ियांग को छोटे स्तर की मुलाकातों में व्यस्त रखा गया, जबकि अहम नेताओं से बातचीत पार्टी सचिवालय प्रमुख काई छी ने संभाली।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।